@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 8 जून 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 214 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मानसून महाराष्ट्र समेत 8 राज्यों में पहुंचा

केरलम-तमिलनाडु में भारी बारिश

● एमपी- राजस्थान में 50kmph की रफ्तार से आंधी चली

एजेंसी

चंडीगढ़। हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। हालांकि अगले हफ्ते तक राज्य में बारिश का पैटर्न कमजोर रहने की उम्मीद है। IMD के मुताबिक पूर्वोत्तर के मिजोरम और मणिपुर में भी मानसून पहुंच चुका है। अगले दो दिन में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों, तेलंगाना और पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों में पहुंच सकता है। मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर गया। उत्तर भारत में भी पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, यूपी, पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी का दौर दोबारा शुरू हो गया है। यहां कई इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। एमपी में भोपाल समेत 4 जिलों में 50kmph की रफ्तार वाली आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

मानसून अलर्ट...

IMD के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है।

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है।

पीएम मोदी ने एक्टर सलीम कुमार के निधन पर जताया दुख

कहा- यादगार अभिनय से अलग पहचान बनाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मलयालम एक्टर सलीम कुमार के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने कहा कि सलीम कुमार ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''दिग्गज अभिनेता सलीम कुमार जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। अपने शानदार करियर के दौरान, उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाई। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।'' केरल राजभवन के आधिकारिक एक्स अकाउंट से जारी संदेश में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सलीम कुमार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत अभिनेता के परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

गिरिबाला सिंह की वीआईपी ट्रीटमेंट के आरोप में डिप्टी जेलर हटाई गई

भोपाल। राजधानी भोपाल के हाई-प्रोफाइल त्विषा शर्मा संदिग्ध मौत मामले में जेल में बंद पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) गिरिबाला सिंह को कथित रूप से वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने के मामले में रविवार को बड़ी कार्रवाई की गई। महानिदेशक जेल के निर्देश पर डीआईजी जेल संजय पाण्डेय ने भोपाल केंद्रीय जेल का औचक निरीक्षण किया और मामले की जांच की। जांच के दौरान गिरिबाला सिंह को 2 जून को जेल भेजे जाने के बाद शुरुआती दिनों में मिली सुविधाओं को लेकर सुरक्षा में तैनात जेल प्रहरियों एवं अधिकारियों से पूछताछ की गई। साथ ही त्विषा के पति समर्थ सिंह की सुरक्षा और सुविधाओं की भी जानकारी ली गई। जांच में सामने आया कि 2 जून की रात सामान्य व्यवस्थाएं थीं, लेकिन 3 और 4 जून को गिरिबाला सिंह को ब्लैक कॉफी सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसके बाद उम्र का हवाला देकर स्वास्थ्य परीक्षण की मांग की गई और उन्हें महिला बैरक स्थित अस्पताल वार्ड में भर्ती कर दिया गया।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

वर्षा ऋतु में अलग-अलग **कीट-पतंगों की आवाज, गर्मियों की रातों में जुगनुओं की चमक, भोर में गौरैयों की चहचहाहट और पेड़ों पर मैनाओं का कलरव, जो पहले दैनिक जीवन का हिस्सा थे, आज शहरों में लगभग दुर्लभ हो चुके हैं।** इनकी लुप्तप्राय: स्थिति चिंताजनक है और जीवन के लिए खतरे का सूचक।

आधुनिकता आवश्यक है, परंतु प्रकृति से विमुख होकर नहीं। जीव-जंतु प्रकृति के सौष्ठव का प्रतीक मात्र नहीं, अपितु स्वस्थ पर्यावरण का श्रृंगार हैं। प्रकृति का संतुलन भी छोटे-छोटे जीव-जंतुओं से बना रहता है। फसल उत्पादन से लेकर खाद्य श्रृंखला तक, प्रकृति के वृहत्तर चक्र में प्रत्येक जीव की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सनातन संस्कृति में प्रकृति के प्रत्येक जीव को सृष्टि का अभिन्न अंग माना गया है। त्रिलोक में अजेय माने जाने वाले दशानन का संहार करने वाली प्रभु श्रीराम की सेना में वानर से लेकर ऋक्ष, जटायु और नन्ही गिलहरी तक का योगदान था। यह मानव, प्रकृति तथा विभिन्न जीव-जंतुओं के परस्पर आश्रित रहने का परिचायक है।

9 वर्ष पूर्व जब हमने कार्यभार संभाला था, तब पर्यावरण संरक्षण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया था। **वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के सतत प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में बाघों, तेंदुओं और राज्य पक्षी सारस की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित आर्द्रभूमियों की रामसर सूची में प्रदेश के 13 स्थलों ने जगह बनाई है।** एक समय जिन जीवों और पक्षियों को उत्तर प्रदेश से विलुप्त माना जा रहा था, वे अब फिर से दिखाई देने लगे हैं। तराई के घास के मैदानों में अत्यंत दुर्लभ **जर्डन्स बैबलर** पक्षी वर्षों बाद दिखाई दिया। दुधवा टाइगर रिजर्व में **पेंटेड कीलबैक** नामक दुर्लभ सर्प की मौजूदगी 117 वर्ष बाद दर्ज की गई।

जैव विविधता के संरक्षण का प्रयास तभी सफल होगा, जब जन भागीदारी बढ़ेगी। **मैं सभी से, विशेषकर युवाओं से आग्रह करता हूं कि जब भी प्रकृति के बीच जाने का अवसर मिले, तो केवल पर्यटक बनकर नहीं, बल्कि जिज्ञासु विद्यार्थी की भांति उस स्थल को परखें।** प्रकृति का जीवंत संसार आपको इसके अनछुए रूपों से भी परिचित करा सकता है। **अपने अनुभवों को व्लॉग और आलेखों के माध्यम से साझा करें। ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चे इन्हें अपने स्कूली प्रोजेक्ट का विषय बनाएं।** प्रकृति के प्रति जागरूकता और अपनापन ही हमारी जैव विविधता के सबसे बड़े संरक्षक हैं।

आपका
योगी आदित्यनाथ

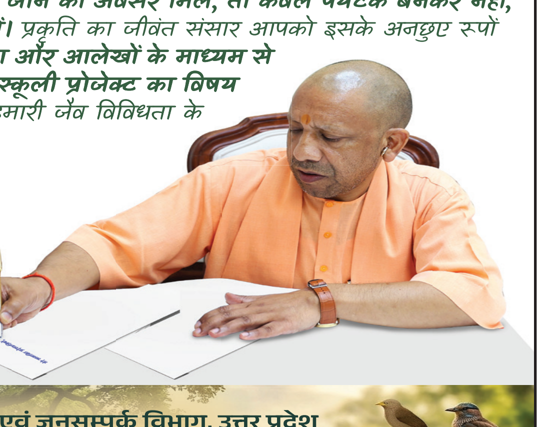

जैव विविधता हमारी सुरक्षा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

किसी की कठपुतली नहीं बनेंगे युवा : शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की युवा शक्ति पर भरोसा जताते हुए विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा।

रविवार को शेखावत सर्किट हाउस में मीडिया से रू-ब-रू हुए। युवाओं से संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। हमारी सरकार युवा शक्ति के सृजन, उनके सशक्तीकरण और उन्हें बराबर के अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज 'मुद्रा योजना', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'स्टैंडअप इंडिया' जैसी तमाम महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन किया जा रहा है, ताकि उनके

लिए नए आयाम खड़े हो सकें। वे देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाकर तरक्की में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी पर स्थिति स्पष्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह किसी सरकार की इच्छा से नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी वैश्विक चुनौती और अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण हुआ है। वैश्विक आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में पूरे विश्व भर में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के दाम 30 प्रतिशत से लेकर 130 प्रतिशत तक बढ़े हैं, जबकि एलपीजी और सीएनजी के दाम दुनिया भर में 30 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इस अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण पूरी वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिसका असर सभी देशों पर पड़ रहा है।

शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि इस वैश्विक हाहाकार के बीच भी भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जहां कीमतों में टोटल ग्रोथ 10 प्रतिशत से भी कम रही है।

● भारत युवाओं का देश है। हमारी सरकार युवा शक्ति के सृजन, उनके सशक्तीकरण और उन्हें बराबर के अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'

सरकार लगातार अपने संसाधनों को निवेश कर रही है ताकि इस संकट का पूरा भार देश की आम जनता और माताओं-बहनों पर न पड़े।

तेलुगु देशम पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित किए तीन उम्मीदवार

विजय, रामकृष्ण और सतीश को मिला टिकट

एजेंसी

भोपाल। आंध्र प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी ने अपने तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। टीडीपी प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने चिंतकायला विजय, भाष्यम रामकृष्ण और मौजूदा राज्यसभा सदस्य साना सतीश को पार्टी उम्मीदवार बनाया है। नायडू ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तीनों नेताओं को बी-फॉर्म सौंपे। इस फैसले को टीडीपी की नई राजनीतिक रणनीति और संगठन में वफादार नेताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश

के तौर पर देखा जा रहा है। आखिर टीडीपी ने जिन तीन नेताओं को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है, उनमें चिंतकायला विजय पार्टी संगठन में लंबे समय से सक्रिय

● राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद चिंतकायला विजय ने चंद्रबाबू नायडू और आईटी मंत्री नारा लोकेश का आभार जताया।

रहे हैं। विजय फिलहाल टीडीपी के प्रदेश महासचिव हैं और पहले तेलुगु युवथा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिका और भारत के संस्थानों से पॉलिटिकल मैनेजमेंट और गवर्नेंस की पढ़ाई की है।

दूसरे उम्मीदवार भाष्यम रामकृष्ण शिक्षा क्षेत्र से जुड़े बड़े नाम माने जाते हैं। वे एक निजी शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष हैं, जिनके संस्थान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में चलते हैं। पार्टी के मुताबिक उन्होंने शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कई काम किए हैं। तीसरे उम्मीदवार साना सतीश पहले से राज्यसभा सदस्य हैं और पार्टी नेतृत्व ने उन पर एक बार फिर भरोसा जताया है।

'यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड' से सम्मानित हुईं मेजर अभिलाषा बराक

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मेजर अभिलाषा बराक को 'संयुक्त राष्ट्र मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' मिलने पर बधाई दी और उनकी 'उत्कृष्ट सेवा' की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय युवाओं, खासकर उन लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो समाज और देश की सेवा करना चाहती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, 'मेजर अभिलाषा बराक को 'संयुक्त राष्ट्र मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' मिलने पर बधाई। मेजर बराक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के तहत

एंगेजमेंट टीम कमांडर और जेंडर फोकल प्वाइंट के रूप में सेवा दे रही हैं।' उन्होंने कहा, 'यह सम्मान उनकी बेहतरीन सेवा को दर्शाता है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भारत के लंबे योगदान को भी दिखाता है। उनकी यह उपलब्धि कई भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा है, खासकर उन बेटियों के लिए जो देश और मानवता की सेवा करना चाहती हैं। '

एलपीजी कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला

● बोले- बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम जनता का बजट

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ा दिया है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं की रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद में पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसी परिस्थितियों के बावजूद 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण की बात कही थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि यदि सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति के इतने व्यापक विकल्प विकसित कर लिए हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की उपलब्धता और उपभोग को लेकर समस्याएं क्यों बनी हुई हैं। खरगे ने दावा किया कि पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 89 रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में लगातार इजाफा परिवारों के मासिक खर्च को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है।

एनएफएचएस-6 फैक्टशीट में बताया गया स्वास्थ्य और पोषण परिणामों में हुआ सुधार

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच देश के आम लोगों तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-6 की फैक्टशीट जारी करके बताया है कि देश के स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या से जुड़े कई आंकड़ों में सुधार हुआ है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच देश के आम लोगों तक बढ़ी है, टीकाकरण कवरेज में सुधार हुआ है। प्रसवपूर्व देखभाल के उपयोग में वृद्धि दर्ज की गई है और स्तनपान से जुड़े परिणामों में भी सकारात्मक प्रगति देखने को मिली है। साथ ही वित्तीय समावेशन, बुजुर्ग आबादी की हिस्सेदारी और जनसंख्या संरचना से जुड़े नए आंकड़े भी पहली बार फैक्टशीट में शामिल किए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने फैक्टशीट में देश के स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या से जुड़े 101 प्रमुख संकेतकों की स्थिति

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
सत्यमेव जयते

प्रस्तुत की है। एनएफएचएस-6 में कई नए परिणामों को भी शामिल किया गया है। इनमें जनसंख्या संरचना, बुजुर्ग आबादी का अनुपात, वित्तीय समावेशन, प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं का उपयोग, टीकाकरण कवरेज, गंभीर डायरिया की व्यापकता और स्तनपान से जुड़े विस्तारित संकेतक शामिल हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि

परिवार नियोजन, बाल स्वास्थ्य, महिलाओं के स्वास्थ्य तथा एचआईवी से जुड़े कई विस्तृत परिणामों को हटाया नहीं गया है। इन्हें आगामी राष्ट्रीय रिपोर्ट में विस्तार से प्रस्तुत किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि एनएफएचएस देश का सबसे बड़ा और व्यापक घरेलू स्वास्थ्य सर्वेक्षण बना हुआ है और साक्ष्य आधारित नीति निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका जारी रहेगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि यह केवल प्रारंभिक चरण का प्रकाशन है ।

दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, सीबीएसई में कक्षा 9-10 के लिए तीसरी भाषा लागू करने पर रोक की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर सीबीएसई के कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्णय पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न केवल बिना पर्याप्त तैयारी के लिया गया है बल्कि सीबीएसई की संचालन परिषद के पूर्व निर्णय के भी विपरीत है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने

● 'यह फैसला न केवल बिना पर्याप्त तैयारी के लिया गया है बल्कि सीबीएसई की संचालन परिषद के पूर्व निर्णय के भी विपरीत है।'

रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दिग्विजय सिंह का पत्र साझा करते हुए कहा कि कक्षा 9 और 10 के पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा को मनमाने और बिना योजना के शामिल किया जा रहा है। यह सीबीएसई संचालन परिषद के अपने निर्णय और शैक्षणिक नियोजन के स्थापित मानकों के विपरीत है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्हें सीबीएसई के कक्षा 9 के

विद्यार्थियों के अभिभावकों के एक समूह की ओर से ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसमें सत्र के बीच में तीन-भाषा नीति लागू करने का विरोध किया गया है। उन्होंने अभिभावकों की चिंताओं को वास्तविक बताते हुए इस विषय पर तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता जताई। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सीबीएसई की संचालन परिषद ने दिसंबर 2025 की बैठक में पाठ्यचर्या समिति की उस सिफारिश को मंजूरी दी थी, जिसमें कहा गया था कि भाषाओं के ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध होने तक वर्तमान भाषा व्यवस्था जारी रखी जाए। इसके बावजूद सीबीएसई ने 15 मई को जारी परिपत्र में 1 जुलाई से कक्षा 9 में तीसरी भाषा लागू करने के निर्देश दे दिए। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी ने अभी तक संबंधित भाषाओं की ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें जारी नहीं की हैं और सीबीएसई फिलहाल कक्षा 6 की पुस्तकों के उपयोग की सिफारिश कर रहा है। इससे हजारों विद्यालयों की शैक्षणिक योजना प्रभावित होने की आशंका है। पत्र में दिग्विजय सिंह ने दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों की विशेष परिस्थितियों का भी उल्लेख भी किया।

राज्यसभा में मजबूत हो सकता है एनडीए, बदले राजनीतिक समीकरणों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति आने वाले महीनों में और मजबूत हो सकती है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विभिन्न दलों में बदलते समीकरणों के बाद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम बंगाल में टीएमसी की टूट, आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा खेमे में जाने और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने एनडीए की स्थिति को मजबूत किया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की राजनीति में लगातार संभावित बदलावों पर भी नजर रखी जा रही है। संविधान संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में राज्यसभा में संख्या बल बढ़ाना केंद्र सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि विपक्षी दल इन दावों को राजनीतिक अटकलें बताते हुए कहते हैं कि आगामी चुनाव और क्षेत्रीय दलों की रणनीतियां ही भविष्य की तस्वीर स्पष्ट करेंगी। फिलहाल राज्यसभा के बदलते समीकरण राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से 21 ट्रेनें प्रभावित, कई मार्ग बदले गए

बरेली (एजेंसी)। मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड के पिलखुआ-कुचेसर रोड सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग कमीशनिंग कार्य के चलते रेलवे ने 21 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इसके तहत कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं, जबकि कुछ को पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लालकुआं-आनंद विहार एक्सप्रेस, छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उधना एक्सप्रेस, लखनऊ-आनंद विहार एक्सप्रेस और सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। कुछ ट्रेनों का बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ जैसे स्टेशनों पर ठहराव भी अस्थायी रूप से समाप्त रहेगा। इसके अलावा सहरसा-आनंद विहार, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर और लालकुआं-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से रवाना किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

पुर्तगाल में फायरिंग के बाद विदेशी धरती पर गैंगवार की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुर्तगाल में हुई एक कथित फायरिंग घटना के बाद विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के आपराधिक गिरोहों के बीच गैंगवार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टों में राहुल आर.के. मीणा और सुनील मीणा गैंग का नाम सामने आया है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल पोस्टों में दावा किया गया है कि पुर्तगाल के विला नोवा डी मिलफोंटेस क्षेत्र में एक कथित प्रतिद्वंद्वी गिरोह के ठिकाने पर कई राउंड फायरिंग की गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और ऑडियो संदेशों में कुछ लोगों ने घटना की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया है। पोस्ट में इसे प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के लिए चेतावनी बताया गया है और भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। हालांकि स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के अपराधी नेटवर्क और उनके बीच बढ़ते टकराव चिंता का विषय हैं। फिलहाल वायरल सामग्री की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के अयप्पा मंदिर में सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन समारोह शाम 5:30 बजे आयोजित किया जाएगा, जहां गृह मंत्री शाह औपचारिक रूप से इस नवनिर्मित भवन को श्रद्धालुओं और मंदिर समुदाय को समर्पित करेंगे। इस नई सुविधा का मुख्य उद्देश्य मंदिर के बुनियादी ढांचे का विस्तार करना तथा उसकी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाना है। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, सबरीसम भवन वर्षभर आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक समारोहों, सामुदायिक कार्यक्रमों, धर्मार्थ पहलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के आरके पुरम में स्थित अयप्पा मंदिर को पूरे उत्तर भारत में भगवान अयप्पा के सबसे प्रमुख और पूजनीय मंदिरों में से एक माना जाता है। वर्ष 1980 में स्थापित किया गया यह भव्य मंदिर अपनी पारंपरिक केरल शैली की उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आसपास के पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र है। समय के साथ यह राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे मलयाली समुदाय और भगवान अयप्पा के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित हुआ है। इस मंदिर में नियमित रूप से पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, भजन, विशेष पूजा, सांस्कृतिक उत्सव तथा जनसेवा से जुड़े अनेक कार्य आयोजित किए जाते हैं। इसकी भूमिका केवल पूजा-अर्चना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले कई बड़े सेवा कार्य भी संचालित किए जाते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह शाह-नड्डा से मिले, कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेता जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक ने न केवल उनके कांग्रेस में लौटने की तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में भाजपा की रणनीति और संगठन विस्तार के लिए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन ने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, भाजपा के जनाधार को मजबूत करने और पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियों को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन को बताया ट्रेलर और दे दिया सरकार को अल्टीमेटम

-कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा- मांग नहीं मानी गई तो 7 दिन बाद फिर लौटेंगे

-शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद रविवार को पार्टी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। पार्टी ने दावा किया कि यह केवल शुरुआत है और यदि जवाबदेही तय नहीं की गई तो आंदोलन का दायरा और बड़ा होगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले एक महीने से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही समस्याओं के बावजूद सरकार छात्रों और युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

आंदोलन को दिया जाएगा देशव्यापी स्वरूप

कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि यदि सात दिनों के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाया गया तो अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की भी चेतावनी दी गई है। अभिजीत दीपके ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। उन्होंने दावा किया कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो छात्रों और युवाओं की आवाज को देश के हर राज्य और शहर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर युवाओं में बढ़ती नाराजगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अनेक संगठन और समूह आए समर्थन में

प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों का भी समर्थन मिला। आंदोलन स्थल पर कई छात्र नेता मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि जब न्याय और जवाबदेही की मांगों को अनसुना किया जाता है, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है। सीजेपी का यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब देश में परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा सुधार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं और अभिभावकों में सरकार के प्रति नाराजगी जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना तस्करी का बड़ा खुलासा, भाजपा से जुड़े पदाधिकारी समेत 5 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और अन्य सामान बरामद किया है। डीआरआई द्वारा की गई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में अजित आचरेकर का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आचरेकर भाजपा की एक श्रमिक (कामगार) संगठन में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उनके अलावा रोहित कुमार सिंह, संतोष सुभाष, समीमुल्ला शाह, हमीद लेबेरीफखान और फलिल मोहम्मद कासिम को भी हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट परिसर में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर इन लोगों को रोका और पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान अधिकारियों को सोना तस्करी से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत मिले, जिसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में बरामद सोने की कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला केवल एक तस्करी की घटना नहीं, बल्कि किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, अजित आचरेकर ने कुछ महीने पहले ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उनका पार्टी में प्रवेश महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ था। इसके बाद उन्हें पार्टी की श्रमिक इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डीआरआई अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह सक्रिय था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि विदेशों में मौजूद किन व्यक्तियों या संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल इस अवैध कारोबार के लिए किया गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और बरामद सोने के स्रोत तथा उसके अंतिम गंतव्य का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अब हरिद्वार में बिरयानी नाम पर ऐतराज, संतों ने वेज पुलाव कहने को कहा

-अखाड़ा के सदस्य बोले-इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिद्वार,(ईएमएस)। हरिद्वार के अखंड परशुराम अखाड़ा ने भोजनालयों से अपने साइनबोर्ड और मेनू से बिरयानी शब्द हटाने का आग्रह किया है। उनका प्रस्ताव है कि पवित्र शहर की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए वेज बिरयानी का नाम बदलकर वेज पुलाव कर दिया जाए। संतों ने हरिद्वार भर में कई खाद्य विक्रेताओं का दौरा किया और दावा किया कि चूंकि बिरयानी पारंपरिक रूप से मांसाहारी भोजन से जुड़ी है, इसलिए इस पवित्र धार्मिक स्थल पर इसका इस्तेमाल अनुचित है और इससे स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखंड परशुराम अखाड़ा के सदस्यों ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से विक्रेताओं के व्यवसाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा। अखाड़ा के एक सदस्य ने कहा कि हरिद्वार एक पवित्र नगर है। हमने दुकानदारों से आग्रह किया है कि मांस से बने व्यंजनों के पर्याय माने जाने वाले इस पकवान को यहां 'बिरयानी' के नाम से न बेचा जाए। हमने उनसे इसे 'वेज पुलाव' के नाम से बेचने को कहा है। सभी दुकानदारों से अनुरोध किया है कि वे अपने मेनू और साइनबोर्ड पर बिरयानी शब्द के स्थान पर वेज पुलाव लिखें। यदि कोई इसके बाद भी बिरयानी शब्द का प्रयोग करता रहेगा, तो हम उसके खिलाफ औपचारिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हमारा उद्देश्य शहर की पवित्रता और धार्मिक वातावरण को बनाए रखना है। हम सभी विक्रेताओं से अनुरोध करते हैं कि वे इस अनुरोध में सहयोग करें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद न हो।

इंडिया ब्लॉक की बैठक से डीएमके-आप ने बनाई दूरी, जेएमएम भी नाराज

-सीपीआई-एम ने कहा- बीजेपी से 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ

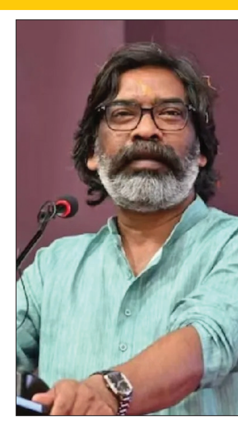

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते! उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो 8 जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस के साथ मतभेदों के चलते डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद कम हैं। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी इस बैठक से दूरी बना ली है, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उधर, झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनावों में दो राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार प्रणव झा की घोषणा करने पर जेएमएम भी कांग्रेस से नाराज है। सूत्रों का कहना है कि सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेएमएम राज्य की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी, क्योंकि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने गठबंधन में किसी भी तरह की फूट या बिखराव के दावों को खारिज किया है। राउत ने कहा कि भले ही डीएमके ने इस बैठक से दूरी बना ली हो, लेकिन विपक्ष को तमिलनाडु में टीवीके के रूप में एक मजबूत वैकल्पिक मित्र मिल गया है।

कर्नाटक में रामलिंगा रेड्डी ने लिया इस्तीफा वापस, विपक्ष की रणनीति को झटका

-सुरजेवाला बोले- रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कर्नाटक राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने घोषणा की है कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य बना है और पुष्टि की कि अनुभवी राजनेता संगठन के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहेंगे और अपना मंत्री पद बरकरार रखेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समाधान ने विपक्ष की रणनीतियों को झकझोर दिया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि आंतरिक परिवर्तन के सुचारू प्रबंधन को लेकर बीजेपी अभी भी स्तब्ध है। केंद्रीय नेतृत्व और रेड्डी के बीच संगठनात्मक शिकायतों के समाधान के लिए गहन चर्चा के बाद इस्तीफे को वापस लेने का फैसला लिया। मतभेद को एक संक्षिप्त गलतफहमी बताते हुए, सुरजेवाला ने राज्य इकाई में रामलिंगा रेड्डी के गहरे संस्थागत महत्व को दोहराया। गतिरोध को शीघ्रता से हल करके, पार्टी ने अपने मंत्रिमंडल की स्थिरता को बनाए रखने और एक अहम विधायी मोड़ पर एकजुट होकर सामने आने में सफलता प्राप्त की है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि समाधान ने गुटबाजी की संभावित कमजोरियों को समाप्त कर दिया है, जिससे उच्च कमान को अपना पूरा ध्यान अपने मुख्य विधायी और शासन संबंधी एजेंडों पर केंद्रित करने का अवसर मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व संकट को सुलझाने के साथ-साथ, कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीतिक तैयारियों को सफलतापूर्वक सुव्यवस्थित कर लिया है। वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने अपने सहयोगियों के साथ राज्यसभा और राज्य विधान परिषद दोनों की अहम सीटों के लिए औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया है। यह समन्वित नामांकन दाखिल करना पार्टी के राज्य तंत्र द्वारा अपनी विधायी शक्ति को मजबूत करने के लिए किए जा रहे उच्चस्तरीय समन्वित प्रयास को दर्शाता है। यह प्रक्रिया कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में किए गए हाई-प्रोफाइल नामांकन दाखिल करने के बाद हुई है, जो राज्य इकाई के दीर्घकालिक विकास के लिए केंद्र के मजबूत समर्थन का संकेत है।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने बिना नाम लिए सीजेपी के संस्थापक पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं। वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा। बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और 54 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। नबीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है।

नाम बदलने की राजनीति: सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

जब कक्षा बन जाए अखाड़ा

सुप्रीम कोर्ट के प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह द्वारा लिखित आर्टिकल

2 जून की रात पटना में कुछ बेहद परेशान करने वाला हुआ। करीब 15 से 20 लोगों की भीड़ खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग सेंटर पहुंची, पथराव किया, तोड़फोड़ की और चली गई। यह अपने आप में काफी चिंताजनक था। लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने मामले को और पेचीदा बना दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने लगा जिसमें दो लोग परिसर के पास हवाई फायरिंग करते दिख रहे थे। बाद में पता चला कि ये दोनों उसी संस्थान के सुरक्षाकर्मी थे। पटना पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया, हथियार जब्त किए और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे। मामला दर्ज हुआ। फिर कुछ दिनों बाद पुलिस ने केजीएस के संस्थापक फैसल खान, जिन्हें लोग खान सर के नाम से जानते हैं, को भी इसी फायरिंग मामले में बुक कर लिया। उनके वकील ने कहा कि वे कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे और 8 जून को अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल करने की बात कही। प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान ज्ञानबिंदु ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि पूरा मामला नाटकीय था। उनके एक सदस्य आदर्श ने खान सर के गार्डों के फायरिंग वाले वीडियो की ओर इशारा करते हुए पूछा कि जब खुद खान सर की तरफ से गोलियां चलीं, तो उन्होंने यह कैसे कहा कि उन पर 7 से 8 राउंड फायरिंग हुई। खान सर ने इसे साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे बेहद कम फीस में पढ़ाते हैं और बेहतरीन नतीजे देते हैं। शुरुआती हमले के सिलसिले में ज्ञानबिंदु के डायरेक्टर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। राज्य सरकार ने इस बीच कहा कि वह जल्द ही बिहार में कोचिंग सेंटरों के बीच प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करने के लिए नीति लाएगी।

वह बड़ी समस्या जिस पर कोई बात नहीं करना चाहता

नाटकीयता, प्रेस कॉन्फ्रेंस और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप को किनारे रख दें, तो जो तस्वीर उभरती है वह यह है कि पटना में कोचिंग उद्योग कितना खतरनाक मोड़ ले चुका है। पटना की कोचिंग पट्टी देश की सबसे प्रतिस्पर्धी जगहों में से एक है। बिहार और पड़ोसी राज्यों से हजारों छात्र हर साल सरकारी नौकरी, बैंक परीक्षा, यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए यहां आते हैं। छात्रों के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं। कोचिंग संस्थानों के लिए भी उतने ही। यह बाजार सैकड़ों करोड़ का है, और सबसे आगे रहने, छात्रों को आकर्षित करने, सर्वश्रेष्ठ दिखने का दबाव हमेशा बना रहता है। जब इस तरह का दबाव किसी अनियंत्रित जगह में जमा होता है, तो हालात बिगड़ते हैं। चत्वस वाली घटना पहली बार नहीं है जब पटना के कोचिंग सेंटरों में टकराव हुआ हो। शायद आखिरी भी नहीं होगी। लेकिन इस मामले को जो अलग बनाता है, वह यह है कि बात लाइसेंसी हथियारों तक पहुंच गई और गोलियां चलीं। इसके पीछे जो भी मकसद रहा हो, यह गंभीर बढ़ोतरी है।

असली कीमत कौन चुका रहा है?

जब यह सब अदालतों और प्रेस ब्रीफिंग में चल रहा है, तो एक और समूह है जो इस पूरी बातचीत में शायद ही आता है। वे छात्र। इन संस्थानों में नामांकित हजारों युवा उन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं जो उनकी जिंदगी बदल सकती हैं। वे उन परिवारों से आते हैं जिन्होंने अपनी बचत खर्च करके उन्हें पटना भेजा है। उनकी दिनचर्या, उनका आत्मविश्वास, उनकी सुरक्षा की भावना, सब कुछ इन कोचिंग संस्थानों के संचालन से जुड़ा है। जब हिंसा होती है, जब उनके शिक्षक आपराधिक मामलों के आरोपी बन जाते हैं, जब उनके आसपास का माहौल डरावना हो जाता है, तो छात्र इन सब को चुपचाप अपने अंदर समेट लेते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोई उनकी बात नहीं कर रहा था। राजनीतिक बयानों में कोई यह नहीं पूछ रहा था कि अगर कोचिंग सेंटर बीच सत्र में बंद हो जाए, या उसके आसपास का माहौल इतना तनावपूर्ण हो जाए कि पढ़ना मुश्किल हो जाए, तो छात्रों का क्या होगा।

जवाबदेही का अभाव

भारत में कोचिंग उद्योग लंबे समय से एक अनिश्चित क्षेत्र में काम करता रहा है। नियम हैं, लेकिन उनका पालन अनिश्चित है। संस्थान मनमानी फीस ले सकते हैं, सशस्त्र सुरक्षा रख सकते हैं, और आक्रामक विज्ञापन कर सकते हैं, बिना किसी खास परिणाम के। इसका नतीजा एक ऐसा बाजार है जो दिखावे, डर और आक्रामक प्रतिस्पर्धा पर चलता है। बिहार सरकार का नीति बनाने का बयान सही दिशा में एक कदम है, लेकिन ऐसे वादों का रिकॉर्ड बहुत उत्साहजनक नहीं है। पिछले साल बीपीएससी परीक्षा के विरोध प्रदर्शनों में, जहां खान सर को खुद छात्रों के समर्थन में हिरासत में लिया गया था, यह दिखा कि बिहार के शिक्षा तंत्र में कुंठाएं कितनी गहरी हैं। वह भी बयानों पर खत्म हुआ, ढांचागत बदलाव नहीं हुए। जरूरत सिर्फ एक नीति दस्तावेज की नहीं है, बल्कि एक ऐसे वास्तविक तंत्र की है जो कोचिंग संस्थानों को जवाबदेह बनाए, छात्रों को व्यावसायिक लड़ाइयों की चपेट में आने से बचाए, और यह सुनिश्चित करे कि कोई भी शिक्षक, चाहे वह कितना भी लोकप्रिय हो, खुद को संस्थागत जवाबदेही से ऊपर न माने। खान सर ने अपनी पहचान सादगी से पढ़ाने वाले और कम फीस लेने वाले शिक्षक के रूप में बनाई थी। वह छवि अब सिर्फ एक कानूनी मामले से नहीं, बल्कि इस सवाल से भी दबाव में है कि किसी कोचिंग सेंटर को पहले स्थान पर सशस्त्र गार्ड की जरूरत क्यों पड़ती है। इस सवाल का जवाब बाकी सब से ज्यादा इस उद्योग की हालत बताता है। 2 जून को क्या हुआ, जांच आखिरकार यह तो बता देगी। लेकिन यह घटना पहले ही कुछ ऐसा उजागर कर चुकी है जो ध्यान देने योग्य है। पटना के कोचिंग बाजार में सबसे बड़ा नाम बनने की दौड़ में, शिक्षा और व्यापार के बीच की रेखा बुरी तरह धुंधली हो चुकी है। और छात्र, हमेशा की तरह, बीच में खड़े है ।

कृष्ण अवतार बताकर युवतियों का यौन शोषण, फिर करता था इससे भी अधिक घिनौना काम; नया खुलासा

मथुरा। आश्रम वेब सीरीज के बाबा निराला की तरह काले कारनामे करने वाला आईआईटियन बाबा को पुलिस ने मंगलवार को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। बाबा की गिरफ्तारी के बाद मामले में कई और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जिससे साफ हो गया है कि राधाकुंड में यह खेल लंबे समय से चल रहा था। दो दर्जन से अधिक युवक व युवतियां बाबा का महिमामंडन करती थीं, लेकिन अब वह भी मुखर होकर सामने आने लगी हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बाबा के सलाखों के पीछे पहुंचते ही उसके चंगुल से छूटी दो और युवतियों ने हिम्मत दिखाई है। इन पीड़ति युवतियों ने गोवर्धन थाने पहुंचकर अभिषेक मिश्रा उर्फ आदिकर्ता नारायण दास (29) के खिलाफ नशीला पदार्थ पिलाकर शारीरिक और मानसिक शोषण करने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इन शिकायतों को भी मुख्य मुकदमे में शामिल कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बाबा के चंगुल में फंसी अन्य युवतियों से भी संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इस रैकेट की पूरी सच्चाई सामने आ सके। इसके बाद एक-एक करके सभी के कोर्ट में बयान होंगे। पहली प्राथमिकी दर्ज कराने वाली छत्तीसगढ़ बाल्को कोरबा क्षेत्र की निवासी बीएससी नर्सिंग की छात्रा के पहले ही कोर्ट में बयान हो गए हैं। जांच में सामने आया है कि बाबा ने आश्रम में करीब 24 युवक-युवतियों की एक कोर टीम बना रखी थी। बी-टेक, एम-टेक और एमबीए पास उच्च शिक्षितों युवा पूरी तरह बाबा के सम्मोहन में थे और सोशल मीडिया पर रील व वीडियो डालकर बाबा का महिमामंडन करते थे। इससे और शिक्षित युवा यहां खिंचे चले आते थे। इसके बाद उनको आध्यात्मिकता का पाठ पढ़ाता था और और खुद को भगवान कृष्ण का अवतार बताकर युवतियों का यौन शोषण करता था। बाद में युवकों के साथ इच्छुक युवतियों का गंधर्व विवाह (लव मैरिज) करा देता था। इधर, आरोपी अभिषेक मिश्रा का कहना कि उस पर लगे आरोप गलत हैं और प्राथमिकी कराने वाली युवती से कोई संबंध नहीं है। इस मामले में एक और खुलासा हुआ है। छह माह पहले बीएससी नर्सिंग की छात्रा अपने परिवार के साथ छह माह पहले बहन को लेने के लिए राधाकुंड आई थी। परिजन जबरन घर ले जाने लगे थे तो बाबा के शिष्यों ने स्थानीय पुलिस चौकी पर जमकर हंगामा काटा था। उस वक्त बाबा के रसूख और युवतियों के दबाव के आगे पुलिस को पीछे हटना पड़ा था, जिसके कारण बाबा के हौसले और बुलंद हो गए। शिष्यों ने परिजन पर युवती के अपहरण का आरोप लगाया था। हालांकि उस समय पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कर दिया था। एसपी ग्रामीण सुरेशचंद्र रावत ने बताया कि आरोपी बाबा को मंगलवार को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। दो अन्य पीड़िताओं की शिकायत पर मामले की जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। आश्रम से बरामद दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बाबा के मोबाइल की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। एसपी देहता सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि आरोपी बाबा बेहद शातिर तरीके से युवक-युवतियों का शोषण करता था। वह आश्रम में आने वाली युवतियों के अश्लील फोटो और वीडियो बना लेता था। इसके बाद वह इन वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने और बदनाम करने की धमकी देकर पीड़िताओं के परिजन से मोटी रकम वसूलता था। ब्लैकमेलिंग से मिली इसी काली कमाई के जरिए उसने राधाकुंड में एक आलीशान मकान (आश्रम) भी खड़ा कर लिया है। फिलहाल वह भवन निर्माणाधीन है।

नवविवाहिता को बंधक बनाकर पिटाई, सात लाख के जेवर ले गए बदमाश

फुरसतगंज (अमेठी)। जायस के रानी हरबंसगंज गांव में मंगलवार शाम घर में अकेली मौजूद नवविवाहिता को बंधक बनाकर पिटाई करने और लाखों रुपये के जेवर व नकदी ले जाने का मामला सामने आया है। घायल महिला का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुरसतगंज में उपचार चल रहा है। पीड़िता ने फोटो के आधार पर घटना में शामिल दो संदिग्धों की पहचान करने का दावा किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अंकिता ने बताया कि मंगलवार शाम वह घर में अकेली थी और कपड़े सिल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान दो युवक घर में घुस आए। दोनों ने दुपट्टे से उसका गला कसते हुए तिजोरी की चाबी मांगी। विरोध करने पर उसकी पिटाई की गई, जिससे शरीर पर कई जगह चोटें आईं। पीड़िता के अनुसार, हमलावरों की पिटाई से वह अचेत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने तिजोरी की चाबी हासिल कर उसमें रखे करीब सात लाख रुपये मूल्य के जेवर और 10 हजार रुपये नकद निकाल लिए। घटना के बाद परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुरसतगंज ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा है। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। अंकिता का कहना है कि वारदात के दौरान दोनों युवक आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी बीच उसने एक आरोपी का नाम सुन लिया था। बाद में पुलिस की ओर से दिखाए गए फोटो में उसने दो संदिग्धों की पहचान की। जानकारी के अनुसार, अंकिता का विवाह 28 अप्रैल को आकाश के साथ हुआ था। विवाह के कुछ ही सप्ताह बाद हुई इस घटना से परिवार परेशान है। इंस्पेक्टर अमरेंद्र सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच हो रही है। जांच के बाद मामले में कार्रवाई करते हुए खुलासा किया जाएगा।

हत्या की साजिश रच रहे हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शार्प शूटर गिरफ्तार, हथियार बरामद

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने बवाना इलाके में होने वाले गैंगवार की घटना को समय रहते रोक दिया। गश्त कर रही पुलिस टीम ने विरोधी गैंग के बदमाश की हत्या करने जा रहे हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक 17 वर्षीय नाबालिग भी शामिल है, जबकि अन्य दो की पहचान गांव ठाकला, झज्जर (हरियाणा) निवासी अजय और पूठ खुर्द निवासी कन्हैया कुमार के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो अत्याधुनिक पिस्टल, 27 कारतूस और एक बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, हिमांशु भाऊ गैंग के एक सदस्य के निर्देश पर तीनों आरोपी विरोधी गैंग के एक बदमाश की हत्या करने के लिए पूठ खुर्द जा रहे थे। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि बदमाशों पर नजर रखने के लिए एक विशेष गश्त टीम गठित की गई थी। 5 जून को टीम पूठ खुर्द स्थित बंगाली मार्केट के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की नजर एक बाइक पर सवार तीन संदिग्धों पर पड़ी। पुलिसकर्मियों को देखकर बाइक सवार भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने पीछा कर तीनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान बाइक चला रहे अजय के पास से एक अत्याधुनिक पिस्टल और 18 कारतूस, कन्हैया के पास से एक अत्याधुनिक पिस्टल और तीन कारतूस तथा पीछे बैठे नाबालिग के पास से छह कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि अजय के खिलाफ पहले से झज्जर (हरियाणा) में मारपीट और गंभीर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पूठ खुर्द निवासी नितिन उर्फ विक्की, गैंगस्टर हिमांशु भाऊ का करीबी सहयोगी है। सोशल मीडिया के माध्यम से कन्हैया और नाबालिग उसके संपर्क में आए थे। नितिन ने अजय को विरोधी गैंग के एक बदमाश की हत्या करने के लिए तैयार किया और उसकी मुलाकात कन्हैया व नाबालिग से कराई। इसके बाद अजय पूठ खुर्द में एक मकान किराए पर लेकर रहने लगा और विरोधी गैंग के सदस्य की गतिविधियों पर नजर रखने लगा। पुलिस ने तीनों को उस समय गिरफ्तार किया, जब वे वारदात को अंजाम देने जा रहे थे।

अब रींगस जक्शन तक चलेगी दिल्ली-रेवाड़ी डीएमयू पैसेंजर

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली-रेवाड़ी डीएमयू पैसेंजर का राजस्थान के रींगस जंक्शन तक विस्तार किया है। विशेष रूप से खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। गाड़ी संख्या 74041/74042 अब दिल्ली से सीधे रींगस तक सप्ताह में दो दिन चलाई जाएगी। लंबे समय से दिल्ली और आस-पास के निवासियों की दरकार थी कि दिल्ली से हरियाणा के रेवाड़ी जाने वाली पैसेंजर को राजस्थान के रींगस तक चलाया जाए। इस विस्तार से रेवाड़ी से आगे अटेली, नारनौल, नीम का थाना, कांवट, श्री माधोपुर और रींगस के यात्रियों को दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन मिल जाएगी। खाटू श्याम जी जाने वाले श्रद्धालुओं को भी रींगस तक सीधी कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। लोगों की मांग पर सर्वे कराने के बाद उत्तर रेलवे ने 74041 दिल्ली जंक्शन-रींगस जंक्शन प्रत्येक शनिवार और रविवार को 6 जून 2026 से चलाई जाएगी।

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as Vuti Sinha W/O: Ranjit Kumar, residing at Nagla Charandas,, phase 2 Noida Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201305, Permanent Address -Thana No -62, Bagodar, Nawada, Bihar - 805103, have changed my name and shall hereafter be known as BEAUTY DEVI.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SONU S/O AMARJEET R/O Mo. Panahpur, Segli, Bulandshahr, Bihra, Uttar Pradesh-245407, have changed my name and shall hereafter be known as DEEPANSHU.

NAME CHANGE

I, Bandana Ojha W/o Sanjiv Kumar R/o Flat No. E3-808, Cleo County, Sector 121, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301, hereby declare that I have changed the name of my minor daughter, aged about 17 years, from Shubhangi Kashyap to Shubhangi Ojha.

NAME CHANGE

I, Sanjiv Ojha S/O Laxman Ojha R/O Flat No E3 808, Cleo County Sector-121 Noida, Gautam Budha Nagar, Uttar Pradesh - 201301Have changed my name to Sanjiv Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MANJU W/o Surinder Pal Singh R/o 44C, Lal Quarters, West Punjabi Bagh, Punjabi Bagh, Delhi-110026, have changed my name to MANJU KAUR for all future purposes

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, VINOD KUMAR S/o RAJPAL SINGH, R/o 30, New Sangam Vihar, Near Bijli Ghar, Rohta Road, Meerut, Uttar Pradesh-250002, declares that name of my minor son has been wrongly written as VANSH in my minor son namely VANSH YADAV aged 16 years in his adhaar card number 8371 4519 5639. The actual name of my minor son is VANSH YADAV which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as MANISH GUPTA S/o MAHENDER GUPTA, R/o A 601, ADITYA MEGA CITY, VAIBHAV KHAND, INDIRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014, have changed my name and shall hereafter be known as MANISH KUMAR GUPTA.

NAME CHANGE

I,LOVELEENA W/O GAURAV KUMAR R/O 5/193, UPPER 3RD FLOOR SUBHASH NAGAR DELHI 110027, CHANGED MY NAME TO LOVELEENA KUKREJA.

NAME CHANGE

I, RAJ KUMAR YADAV S/O RAM JEEVAN R/O 369, NAI WALI GALI RAJOKARI VILLAGE DELHI 110038, CHANGED MY NAME TO RAJ KUMAR.

NAME CHANGE

I RAKESH KUMAR S/O RAGHUNATH R/O V-56 GALI NO-27 VIJAY PARK MAUJPUR DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO RAKESH SHARMA

Public Notice

I, hitherto known as SURENDRA SINGH S/O RAMVEER SINGH CHAUHAN R/O NEAR RAWAL MARRIAGE HOME C/O Subhash Singh TEACHERS COLONY an Bagwqlan, Dadri Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh- 203207 have changed my name and shall hereafter be known as BABLU SINGH.

NAME CHANGE

It is for general information that I, AJEET SINGH S/O JAGVEER SINGH R/O Balipur, Subhashgram, PO: Maisubhasgram, District Aligarh, Uttar Pradesh-202145, declare that name of mine has been wrongly written as AJIT SINGH in my minor son namely SHIVAM THENUA aged 17 years in his 10th and 12th class educational documents and his PAN Card No. CWSPT9951K. The actual name of mine is AJEET SINGH which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित करते हुए यह घोषणा की जाती है कि मेरे मुवक्किल श्री रामवीर सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री रन सिंह एवं श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री रामवीर सिंह निवासी मकान नंबर आर जेड 183 जेड ब्लॉक न्यू रोशनपुरा नजफगढ़ न्यू दिल्ली 110043 अपने छोटे पुत्र श्री कमल सिंह उम्र लगभग 25 वर्ष तथा पुत्रवधु उषा को उनके गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करते हुए, उनसे समस्त सम्बंध विच्छेद कर लिए हैं। यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति श्री कमल सिंह व उसकी पत्नी उषा से किसी भी प्रकार का लें देन व संबंध रखता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे मुवक्किल श्री रामवीर सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री रन सिंह एवं श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री रामवीर सिंह की कोई भी व किसी भी तरह की जिम्मेदारी व जवाबदेही नहीं होगी।

दिनेश कुमार तिवारी अधिवक्ता
द्वारका कोर्ट नई दिल्ली-110075.
Mob.8076915013

NAME CHANGE

I PARVEEN KUMARI S/O SOM DUTT R/O VILLAGE-DHANA BASLAMBI(130) GURGAON HARYANA-122503 HAVE CHANGED MY NAME TO PARVEEN DEVI ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I MANJU GUPTA W/O AMIT SINGHAL R/O NEW MANDI NARNAUL MAHENDERGARH HARYANA-123001 HAVE CHANGED MY NAME TO MANJU SINGHAL ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I DUSHYANT S/O DINESH R/O SECTOR 74, BEGAMPUR KHATOLA PO: KHANDSA GURGAON HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO DUSHYANT CHAUHAN ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I PUSHPENDER S/O RAJKUMAR R/O BEGAM PUR KHATOLA PO: KHANDSA GURGAON HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO PUSHPENDER CHAUHAN ALL FUTURE PURPOSE

सार्वजनिक सूचना

श्री शुभम सिंह एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से फ्लैट संख्या V2/2102, टावर-V2 की 21वीं मंजिल पर स्थित, 828 वर्ग फुट के कारपेट एरिया वाले फ्लैट के लिए ऋण मांग रहे हैं। यह फ्लैट एल्डिको लिव बाय द ग्रीन्स नामक प्रोजेक्ट में है, जो प्लॉट संख्या SC-02/A9 पर बना है और नोएडा जिले के गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) के सेक्टर-150 में स्थित है; जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है। श्री शुभम सिंह ने हमें बताया है कि पिछले मालिक, श्री फराज नवाइदुल हक, ने निम्नलिखित दस्तावेज खो दिए हैं या कहीं रख दिए हैं, अर्थात् उप-पट्टा समझौता/बीबीए/आवंटन पत्र दिनांक 06.03.2019 और भुगतान रसीदें, जो श्री फराज नवाइदुल हक और श्रीमती अनम फातिमा के नाम पर एलआर संख्या 132250902600102 के तहत जारी की गई थीं, जो कहीं नहीं मिल पा रही हैं या जिनका पता नहीं लगाया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 09991119392

NAME CHANGE

I VARSHA, W/O RAHUL PANWAR FLAT NO-457, AMBIKA APARTMENTS, VTC: Rohini Sector-14, PO: Rohini Sector-7, District: North West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110085 , HAVE CHANGED MY NAME TO VARSHA PANWAR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, Sanjiv Kumar, W/o Bandana Ojha, R/o Flat No. E3-808, Cleo County, Sector 121, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301, hereby declare that I have changed the name of my daughter, aged about 17 years, from Shubhangi Kashyap to Shubhangi Ojha.

NAME CHANGE

I vanshika khurana D/0 Sumit khurana R/o 972A/22 mansrover colony Rohtak Haryana 124001 have changed my name to Vanshika forall future purpose

NAME CHANGE

I Priyanka Arora W/0 Sumit R/o 972A/22 mansrover colony Rohtak Haryana 124001 have changed my name to Priyanka khurana forall future purpose

NAME CHANGE

I, GAURAV KUMAR S/O ASHOK KUMAR BAINIWAL residing at D-280 A KRISHNA PARK KHANPUR, DEOLI DELHI-110062. have changed my name to GAURAV BAINIWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sanjiv Kumar, W/o Bandana Ojha, R/o Flat No. E3-808, Cleo County, Sector 121, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301, hereby declare that I have changed the name of my daughter, aged about 17 years, from Shubhangi Kashyap to Shubhangi Ojha.

NAME CHANGE

I sayyed faiz husain s/o MOHD SHARIF R/O E-57 3rd FLOOR GALI NO-3 CHAND BAGH KARAWAL NAGAR DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO SAYYED FAIZ HUSSAIN

NAME CHANGE

I, SAVITA W/O GAURAV BAINIWAL residing at D-280 A KRISHNA PARK KHANPUR, DEOLI DELHI-110062. have changed my name to SAVITA BAINIWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SUNDER W/O ASHOK KUMAR BAINIWAL residing at D-280 A KRISHNA PARK KHANPUR, DEOLI DELHI-110062. have changed my name to SUNDER BAINIWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ASHOK KUMAR S/O K.C BAINIWAL residing at D-280 A KRISHNA PARK KHANPUR, DEOLI DELHI-110062. have changed my name to ASHOK KUMAR BAINIWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SAVITA BAINIWAL W/O GAURAV BAINIWAL residing at D-280 A KRISHNA PARK KHANPUR, DEOLI DELHI-110062. have changed my minor daughter's name from KEERTIKA to KEERTIKA BAINIWAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohd Ilyas Khan S/O Ahmad Khan R/o 2541 H.No 302 II Floor, Gali No 28, Azad Apartment, Tughlakabad Extn, Kalkaji, South Delhi, Delhi, 110019, Have Changed My Name To MOHAMMAD ILYAS KHAN Permanently.

NAME CHANGE

I, MUKESH KUMAR S/O DEVIDAS R/O Kherli, Hafizpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203202, have changed the name of my minor son TESNU aged 13 years and he shall hereafter be known as TEJAS.

NAME CHANGE

I, LATIFUR RAHMAN S/O SUBHHAN R/O 1089, Kotla Sadat, Chainapuri Hapur, Uttar PO: Hapur, District Hapur, Uttar Pradesh-245101, have changed my name and shall hereafter be known as ABDUL LATIF.

PUBLIC NOTICE

It is for the general public information that my Client Raju S/o Sh. Bhagwan Das R/o 236, Ekta Vihar, R.K. Puram, Sector-6, South West, Delhi, New Delhi-110022, has severed all his relation with his son Amit Kumar @ Bobby aged about 30 years and his wife Smt. Anjali aged about 29 years have debarred them from all his moveable and Immoveable properties for their misbehaving attitude, My client will not be responsible in future for their acts which may be done by them. Anybody dealing with them shall do the same on their own risk and my client shall not be liable for any of their act in any manner.

Bishnu Prasad Tiwari
Advcoate
Ch.No. 600 Patiala House Court
New Delhi-110001

NAME CHANGE

I, KASTHURI MANI wife of Name-N MUTHUKRISHNAN residing at H.NO-22, VILL-KOVALAN NAGAR, PO-T.V.S NAGAR, TEHSIL-MADURAI SOUTH, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625003, have changed my name from KASTHURI MANI to KASTHURIMANI MUTHUKRISHNAN for all future purposes vide Affidavit dated 06/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRAVEEN KUMAR son of Name-N MUTHUKRISHNAN residing at H.NO-22, VILL-KOVALAN NAGAR, PO-T.V.S NAGAR, TEHSIL-MADURAI SOUTH, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625003, have changed my name from PRAVEEN KUMAR to M PRAVEEN KUMAR for all future purposes vide affidavit dated 06/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, M PREM KUMAR son of Name-N MUTHUKRISHNAN residing at H.NO-22, VILL-KOVALAN NAGAR, PO-T.V.S NAGAR, TEHSIL-MADURAI SOUTH, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625003, have changed my name from M PREM KUMAR to PREM KUMAR M for all future purposes vide affidavit dated 06/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KAHKASHAN W/O SYED ISHTEYAQUE HAIDER , R/O C-109/1 , third floor akbar lane near tayyab masjid, shaheen bagh , abul fazal enclave part - 2 , jamia nagar okhla , new delhi (110025) declare that my real actual name is KAHKASHAN and D.O.B - 04/10/1971 but in my son's namely SYED NABEEL HAIDER's school document my name has been written as FATIMA HAIDER . That KAHKASHAN AND FATIMA HAIDER are one and the same person.

NAME CHANGE

I RAJNI W/O BALBIR SINGH, R/O 1839/ A LGF, GALI NO. 10,GOVIND PURI EXTENSION, KALKAJI, NEW DELHI 110019,DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY MINOR SON'S NAME FROM PREET TO PREET SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, Dinesh Kumar S/O Ganga Ram R/O 725, Ikram Nagar Loni, Loni Dehat, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed the name of my minor son Devil Parjapti aged 11 years and he shall hereafter be known as Ansh Kumar

NAME CHANGE

I, DILEEP KUMAR S/o PARAM SINGH R/ o 1457 Second floor, Outram Lines, Kingsway Camp, Delhi have changed my daughter's name to *NICIKA SINGH* for all future purpose

PUBLIC NOTICE

Be it known that my clients Dinesh Gupta S/o. Sh. Raghuveer Gupta and Renu, W/o. Dinesh Gupta all R/o. House No. 8/47, Dakshin Puri, Ambedkar Nagar, New Delhi-110062 hereby severed all their relation and have debarred and disinherited their son Puneet Gupta S/o. Sh. Dinesh Gupta from all his/her properties both immovable and movable. My clients have no control over their son who has no respect and regard for my clients, anybody dealing with them in any manner will do so at their own risk and consequences.

Arabinda Nayak Advocate
Ch. No. 245-A, Lawyer's Chamber Block, Distract Court Complex, Saket, New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, RAMACHANDRAN NAIR father JC-441776W, Rank-SUB, Name-RENJUDEEPAK N residing at NADUVATHINA, KURUVATTOOR, KOKKADI VIA, KOZHIKODE, KERALA-673611, have changed my name RAMACHANDRAN NAIR to RAMACHANDRAN NAIR K for all future purposes vide Affidavit Dated 06/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHAKEEL AKHTAR S/o QAYAMUDDIN, R/o C-23/11, OLD NO-1261, R K MARG, GALI NO-4, CHAUHAN BANGAR, SEELAMPUR, DELHI-110053, declare that name of my father has been wrongly written as NIZAMUDDIN in my Voter ID Card No. XPT0449611. The actual name of my father is QAYAMUDDIN, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, SUBHA mother of JC-441776W, Rank-SUB, Name-RENJUDEEPAK N residing at NADUVATHINA, KURUVATTOOR, KOKKADI VIA, KOZHIKODE, KERALA-673611, have changed my name SUBHA to SOBHA N for all future purposes vide Affidavit Dated 06/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-441776W, Rank-SUB, Name-RENJUDEEPAK N legal father of SURYA KIRAN N residing at NADUVATHINA, KURUVATTOOR, KOKKADI VIA, KOZHIKODE, KERALA-673611, have changed my minor son's name from SURYA KIRAN N to SURYAKIRAN N for all future purposes vide affidavit dated 06/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, NISHAT KHANAM D/O QAYAMUDDIN, W/o NAZAR MOHAMMAD R/o H NO-917, GALI NO-30/6, JAFGRABAD, BHAJAN PURA, DELHI-110053, declare that name of my father has been wrongly written as NIZAMUDDIN in my Voter ID Card No. XPT0449629. The actual name of my father is QAYAMUDDIN, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती इंदिरा देवी W/O रामविलास निवासी C2/135A C-2 ब्लॉक विजय एनक्लेव द्वारका साउथ वेस्ट नई दिल्ली 110045 ने अपने पौत्र गौरव S/O रोहित कुमार और उसकी पत्नी खेमवती से अपने सारे संबंध तोड़ लिए हैं और अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है ! क्योंकि वह झगड़ालू प्रवृत्ति के है और गलत संगत में पड़ने के कारण मेरे मुवक्किल के कहे सुने से बाहर है भविष्य में यदि कोई इन लोगो से किसी तरह का व्यवहार या लेनदेन करता है, तथा किसी भी प्रकार की ?ानूनी कार्यवाही के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे व मेरे मुवक्किल व उसके परिवार वालों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी !

(YASMIN SAIFI) ADVOCATE
Ch.NO. 839
DWARKA COURT
NEW DELHI

NAME CHANGE

I, hitherto known as MOHD SULTAN S/O MOHD USMAN R/O 2546, TIRAHA BEHRAM KHAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD SULTAN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, hitherto known as AIJAZ AHMED S/O HAJI ABDUL LATIF R/O E-49, GALI NO-10, SUBHASH VIHAR, NORTH GHONDA, GARI MENDU, BHAJAN PURA, DELHI-110053. have changed my name and shall hereafter be known as AIJAZ MALIK. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD YASIR SON OF ZEESHAN HAIDER R/O H NO.C-12/18, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD YASIR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I KASIF ELAHI S/0 Mansoor Elahi R/0 10001 Gali Nal Wali Nawab Ganj Azad Market Delhi 110006 Changed my name to KASHIF ELAHI

NAME CHANGE

I NAYMA KASIF W/0 Kashif Elahi R/0 10001 Gali Nal Wali Nawab Ganj Azad Market Delhi 110006 Changed my name toNAIMA KASHIF

NAME CHANGE

I VIRENDER KUMAR S/0 Somnath R/0 H -11 street No 14 New Gobindpura Krishna Nagar Delhi 110051Changed my name to VIRENDER KUMAR PAHUJA

NAME CHANGE

I SUNIL KUMAR S/0 Sita ram Puneyani R/0 B 38 Gurrdwara Gali Near Lovely Public School New Layalpur Extension Nagar Krishna Nagar Delhi 110051 Changed my name to SUNIL KUMAR PUNEYANI

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मृत कर्मचारियों की बकाया ऋण राशि माफ करने की योजना लागू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में शिक्षा विभाग के मृत कर्मचारियों की बकाया ऋण राशि माफ होगी। इसके लिए सरकार ने धरातल पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। हरियाणा मौलिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर पीआरटी, टीजीटी, ईएसएचएम तथा प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों के गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची मांगी है, जिन्होंने विभाग से ऋण लिया था और जिनका निधन हो चुका है। विभाग इन मामलों में ऋण राशि को वेव ऑफ (माफ) करने की प्रक्रिया पर विचार कर रहा है। इसके लिए संबंधित कर्मचारियों का नाम, पद, मृत्यु तिथि, विद्यालय का नाम तथा मामला डीईईओ, बीईओ या डीडीओ स्तर पर कितने समय से लंबित है, इसकी विस्तृत जानकारी मांगी गई है। विभाग का उद्देश्य लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा कर मृत कर्मचारियों के परिजनों को राहत प्रदान करना है।

बाल वाटिका में विद्यार्थियों को वर्दी व स्टेशनरी के पैसे देगी सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्राथमिक शिक्षा को मजबूती देने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को राहत देने का बड़ा कदम उठाया है। राजकीय स्कूलों में बाल वाटिका-3 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा के अंतर्गत वर्दी व स्टेशनरी के लिए एक हजार रुपये की राशि मिलेगी। यह राशि सीधी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से दी जाएगी। मौलिक शिक्षा निदेशक की ओर से राज्य के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को विद्यार्थियों के बैंक खाते खुलवाने तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने की हिदायत दी है। विभागीय निर्देशों के अनुसार यह राशि पीएफएमएस प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी। इसमें 800 रुपये वर्दी तथा 200 रुपये स्कूल बैग एवं स्टेशनरी के लिए निर्धारित किए गए हैं। निदेशालय की ओर से जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विद्यार्थियों के बैंक खाते प्राथमिकता के आधार पर खुलवाए जाएं ताकि डीबीटी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए और समय पर राशि का वितरण सुनिश्चित हो सके।

रेवाड़ी के औद्योगिक अग्निकांड पर मानवाधिकार आयोग सख्त

चंडीगढ़। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ती आग की घटनाओं पर चिंता जताते हुए रेवाड़ी के औद्योगिक अग्निकांड पर रिपोर्ट तलब की है। आयोग के समक्ष आए विवरण के अनुसार 19 मई 2026 को आईएमटी बावल स्थित जीएलएस स्पेशियलिटी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड में भीषण आग लग गई थी। घटना के समय फैक्टरी में लगभग 225 श्रमिक मौजूद थे। हादसे में छह श्रमिक झुलस गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई गई। आग पर काबू पाने के लिए विभिन्न जिलों से 35 से अधिक दमकल वाहनों को बुलाना पड़ा और कई घंटों तक राहत एवं बचाव अभियान चलाना पड़ा। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की सहायता भी लेनी पड़ी। इसी दिन धारूहेड़ा के आलमगीरपुर-राजपुरा क्षेत्र स्थित टॉक्समो स्कूटर्स की इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माण इकाई में भी आग लग गई। आयोग के संज्ञान में यह तथ्य भी आया है कि संबंधित इकाई हाल ही में नए परिसर में स्थानांतरित हुई थी और उत्पादन शुरू हो चुका था, जबकि अग्नि सुरक्षा प्रणाली तथा जल भंडारण जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं कथित रूप से पूरी तरह स्थापित नहीं हुई थीं।न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने स्पष्ट किया है कि खतरनाक रसायनों, बैटरियों और अन्य संवेदनशील पदार्थों से जुड़े उद्योगों के लिए नियमित सुरक्षा ऑडिट, प्रशिक्षित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल, पर्याप्त अग्निशमन संसाधन और प्रभावी आपदा प्रबंधन व्यवस्था अनिवार्य है।

नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता के स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रमों के लिए क्लस्टर इंचार्ज नियुक्त

गुरुग्राम। भाजपा ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता के स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रमों को लेकर व्यापक योजना तैयार की है। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता के जिलावार होने वाले कार्यक्रमों के सफल संचालन और संगठनात्मक गतिविधियों के बेहतर समन्वय के लिए क्लस्टर इंचार्ज नियुक्त किए हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने बताया कि पार्टी ने पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, पानीपत, सोनीपत और गोहाना जिलों के लिए जवाहर सैनी, रेणुबाला गुप्ता, दीपक शर्मा और रवि बतान को क्लस्टर इंचार्ज नियुक्त किया है। इसी प्रकार डबवाली, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, हांसी, भिवानी, चरखी दादरी और महेंद्रगढ़ जिलों के लिए प्रदेश महामंत्री एवं मंत्री कृष्ण बेदी, सुरेंद्र आर्य, अजय बंसल, मुकेश गौड़ और सरोज सिहाग को क्लस्टर इंचार्ज की जिम्मेदारी दी है। फरीदाबाद, फरीदाबाद महानगर, पलवल, नूंह, गुरुग्राम, गुरुग्राम महानगर, रेवाड़ी, झज्जर और रोहतक जिलों के लिए प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, तथा प्रवीन बत्रा जोशी, नागेंद्र शर्मा और हरविंद्र कोहली को क्लस्टर इंचार्ज बनाया है।

मुख्यमंत्री की युवाओं से की अपील गांवों को आत्मनिर्भर, युवाओं को सक्षम और, किसानों को समृद्ध बनाएं

एजेंसी

पानीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समालखा, पानीपत के सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र के वार्षिक स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि यह वार्षिक स्थापना दिवस सेवा, साधना और समर्पण के उस विराट संकल्प का उत्सव है, जो समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र से जुड़े उन सभी लाखों परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि, लोगों ने अपने श्रम, सहयोग, त्याग और समर्पण से इस महान प्रकल्प को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व का विषय है कि यह केंद्र आसपास के 100 गांवों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह गांवों के भविष्य को संवारने का संकल्प है। यह प्रयास उन गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां शिक्षा, कौशल, कृषि, स्वास्थ्य, खेल, संस्कृति और रोजगार के सभी आयामों

पर एक साथ कार्य किया जा रहा है। यह केंद्र सेवा, साधना और ग्राम विकास की त्रिवेणी के रूप में स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें सदैव वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देती आई है। हमारी परंपरा हमें सिखाती है कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए, यह केंद्र एक भूमि, एक परिवार और एक भविष्य' की अवधारणा पर काम कर रहा है। यह विचार भारतीय जीवन दर्शन का सार है। जब हम भूमि को माता मानते हैं। समाज को परिवार मानते हैं और भविष्य को साझा जिम्मेदारी मानते हैं, तभी सच्चे अर्थों में सतत विकास संभव हो पाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व तेजी से बदल रहा है। तकनीक, नवाचार और आधुनिकता के इस दौर में सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हमारे युवाओं को समय की मांग के अनुसार कौशल प्रशिक्षण मिले। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि यहां कौशल विकास केंद्र की स्थापना की गई है। इतना ही नहीं, इसके लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ कौशल प्रशिक्षण के लिए समझौता भी किया गया है। यह केंद्र हजारों युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि 21वीं सदी भारत के युवाओं की सदी है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज पूरी दुनिया रसायन मुक्त खेती की ओर बढ़ रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है। हरियाणा सरकार भी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्राकृतिक खेती केवल खेती की तकनीक नहीं है।

नई इमारतों में ईवी चार्जिंग व्यवस्था होगी अनिवार्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने बिल्डिंग कोड-2017 में बदलाव करते हुए नई और रिनोवेट होने वाली इमारतों में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को अनिवार्य कर दिया है। इसका सबसे बड़ा असर उन परिवारों, सोसायटी निवासियों और लोगों पर पड़ेगा जो आने वाले वर्षों में इलेक्ट्रिक कार खरीदने की योजना बना रहे हैं।

अब तक लोगों के सामने सबसे बड़ी दिक्कत यह थी कि ईवी खरीदने के बाद चार्जिंग कहां होगी। सरकार ने बिल्डिंग कोड के अध्याय-6 में संशोधन करते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को शामिल किया है। सबसे अहम फैसला यह है कि चार्जिंग से जुड़ा निर्माण एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) से मुक्त रहेगा। यानी बिल्डर या डेवलपर को इस व्यवस्था के कारण अतिरिक्त निर्माण क्षेत्र का नुकसान नहीं होगा। नए नियमों के अनुसार, गैर-आवासीय भवन जैसे मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, होटल और ऑफिस स्पेस में यदि 10 या उससे अधिक कार पार्किंग हैं, तो हर 3 पार्किंग स्लॉट पर कम से कम 1 ईवी चार्जिंग स्पॉट बनाना होगा। साथ ही पूरी पार्किंग को भविष्य के लिए 100 प्रतिशत ईवी रेडी बनाया जाएगा यानी पहले से ही वायरिंग और कंड्युट की व्यवस्था रखनी होगी। आवासीय परियोजनाओं जैसे ग्रुप हाउसिंग, को-ऑपरेटिव सोसाइटी और आरडब्ल्यूए संचालित कॉलोनियों में 10 या उससे अधिक पार्किंग होने पर हर 5 पार्किंग स्लॉट पर कम से कम 1 चार्जिंग स्पॉट अनिवार्य होगा। यहां भी नई और रिनोवेट इमारतों को 100 प्रतिशत ईवी रेडी बनाना होगा।

सरकार का मुख्य विजन शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा : बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य विजन शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा है। इसी पर मुख्य फौकस करते हुए शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण आंचाल में भी गुणवतायुक्त शिक्षा एवं बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से निरंतर आधारभूत ढ़ांचा को मजबूत किया जा रहा है। आमजन को शांतिपूर्ण वातावरण में जीवन जीने का अवसर मिले इसके लिए सरकार द्वारा आपराधिक गतिविधियों के मामले में जीरो टोलरैंस की नीति अपनाई जा रही है और प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को चाक चैबंद किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी नरवाना विधानसभाक्षेत्र के गांव दनौदा खुर्द, दनौदा कलां तथा दबलैन में ग्रामीण सभाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र के तीनों गांवों में करीब 27 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री में दनौदा गांव में प्रदेश की सबसे बड़े सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन कर नींव पत्थर रखा। वर्षों से लंबित इस सीएचसी के बनने से लोगों का अधुरा सपना साकार होगा। अढ़ाई एकड़ में बनने वाले इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 25 करोड़ 60 लाख रुपये की राशि खर्च आएगी। तीन मंजिला इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 30 बेड की क्षमता होगी और यह पूर्णतः वातानुकूलित भी होगा। कैबिनेट मंत्री ने पंचायती राज के तहत 21 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पक्की फिरनी और 36 लाख रुपये की लागत से बनने वाले खेत खलिहान योजना के तहत दो कच्चे रास्तों का भी शिलान्यास किया।

हरियाणा के ट्यूबवेल ऑपरेटरों को बड़ा तोहफा, 13 हजार से बढ़कर 19 हजार रुपये हुआ वेतन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत ट्यूबवेल ऑपरेटरों के लिए महत्वपूर्ण राहत भरी खबर सामने आई है। हरियाणा के श्रम विभाग ने ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों के संशोधित न्यूनतम वेतन को लागू करने संबंधी निर्देश जारी कर दिए हैं। नए आदेशों के तहत अब इन कर्मचारियों को स्द्धद्वद्यद्यद्दस्र श्रेणी में शामिल किया जाएगा, जिसके आधार पर उन्हें बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा।शब्दकोश और विश्वकोश

सरकारी निर्णय से प्रदेश के हजारों जल कर्मचारियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से वेतनमान में सुधार की मांग कर रहे कर्मचारियों के लिए यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

करीब 8 हजार कर्मचारियों को होगा लाभ

श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस निर्णय का लाभ राज्यभर में कार्यरत लगभग 8 हजार ट्यूबवेल ऑपरेटरों को मिलेगा। नई श्रेणी लागू होने के बाद कर्मचारियों के वेतन में

उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ग्रामीण पेयजल और जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े ये कर्मचारी लंबे समय से अपने कार्य की प्रकृति को देखते हुए उच्च श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग उठा रहे थे। अब विभाग द्वारा जारी आदेशों के बाद उनकी मांग को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है।

वेतन में हुआ बड़ा इजाफा

नई व्यवस्था के तहत ट्यूबवेल ऑपरेटरों को मिलने वाला मासिक वेतन पहले की तुलना में काफी बढ़ जाएगा। जानकारी के अनुसार पहले इन कर्मचारियों को लगभग 13,346 रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता था, जबकि संशोधित आदेश लागू होने के बाद उनका मासिक वेतन बढ़कर करीब 19,000 रुपये हो जाएगा।

वेतन वृद्धि से कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति में सुधार आने की संभावना जताई जा रही है। साथ ही इससे ग्रामीण जलापूर्ति सेवाओं से जुड़े कर्मियों का मनोबल भी बढ़ेगा।

श्रेणी व्यवस्था में किया गया बदलाव- श्रम विभाग द्वारा जारी आदेशों में श्रेणी निर्धारण की व्यवस्था में भी परिवर्तन किया गया है। नौ अप्रैल 2026 से पहले ट्यूबवेल ऑपरेटरों के लिए Semi-Skilled श्रेणी के अंतर्गत A और B उप-श्रेणियां लागू थीं। नए आदेशों के अनुसार इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। अब कर्मचारियों को केवल Skilled और Semi-Skilled श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। ट्यूबवेल ऑपरेटरों को उनके कार्य की प्रकृति और तकनीकी जिम्मेदारियों को देखते हुए Skilled श्रेणी में शामिल किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण जलापूर्ति प्रणाली के संचालन में ट्यूबवेल ऑपरेटरों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वे जल आपूर्ति तंत्र के संचालन, रखरखाव और नियमित निगरानी का कार्य करते हैं। ऐसे में उन्हें उच्च कौशल श्रेणी में शामिल करना एक व्यावहारिक कदम माना जा रहा है।

नशा तस्कर होशियार, संपत्ति होगी जब्त, अब तक 72 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नशा तस्करी के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान अब केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। राज्य पुलिस ने संगठित ड्रग नेटवर्क की आर्थिक संरचना को कमजोर करने की रणनीति अपनाते हुए अवैध संपत्तियों और वित्तीय संसाधनों पर भी कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले छह वर्षों में पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़े हजारों आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ करोड़ों रुपये की संपत्तियों को जब्त, फ्रीज और कुर्क किया है।शब्दकोश और विश्वकोश

यह जानकारी पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान सामने आई। बैठक में राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लेकर नशा विरोधी अभियान की प्रगति और आगामी रणनीति पर चर्चा की।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह वर्षों के दौरान NDPS Act के तहत कमर्शियल क्वांटिटी से जुड़े 2,353 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में कुल 6,256 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशा तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई के कारण कई संगठित नेटवर्क प्रभावित हुए हैं। हालांकि पुलिस का फोकस अब

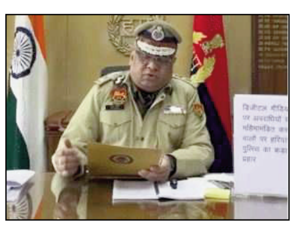

केवल गिरफ्तारी तक सीमित न रहकर अपराधियों के आर्थिक ढांचे को खत्म करने पर भी है।

72.70 करोड़ रुपये की संपत्ति पर कार्रवाई

हरियाणा पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ भी व्यापक अभियान चलाया है। इस दौरान लगभग 72 करोड़ 70 लाख रुपये मूल्य की संपत्तियों को जब्त, फ्रीज या कुर्क किया गया। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कमर्शियल क्वांटिटी के मामलों में शामिल संगठित अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ वित्तीय जांच, संपत्ति कुर्की और अन्य कानूनी प्रावधानों का प्रभावी उपयोग किया जाए।

पीआईटी-एनडीपीएस के तहत भी हुई कार्रवाई

बैठक में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार ने बताया कि वर्ष 2021 से 2025 के बीच कमर्शियल क्वांटिटी से जुड़े 1,876 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें हरियाणा के 3,151 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त 156 आरोपियों के खिलाफ PIT-NDPS Act के तहत निवारक कार्रवाई की गई। वहीं 432 मामलों में नशे के कारोबार से जुड़ी संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया अपनाई गई। नशा तस्करी के बढ़ते अंतरराज्यीय नेटवर्क को देखते हुए हरियाणा पुलिस ने दूसरे राज्यों में दर्ज मामलों से जुड़े आरोपियों की निगरानी भी शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार इस अवधि में 321 आरोपियों का रिकॉर्ड संबंधित जिलों को भेजा गया ताकि उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और नेटवर्क की गहराई तक पहुंचा जा सके।अपराध और न्याय

बैठक में सामुदायिक पुलिसिंग और जनभागीदारी आधारित 'उदय हरियाणा' कार्यक्रम की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही पूरे प्रदेश में 'ड्रग फ्री हरियाणा अभियान' शुरू किया जाएगा। इस अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम, सामुदायिक गतिविधियां, युवाओं की भागीदारी और स्थानीय स्तर पर जनसहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। पुलिस का मानना है कि केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता भी नशा मुक्त समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अजय सिंघल ने कहा कि नशा तस्करी केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह समाज और युवाओं के भविष्य से जुड़ी गंभीर चुनौती है।

हरियाणा में क्लर्क भर्ती नियमों में बड़ा बदलाव, 30फीसदी पदों पर मिलेगा ग्रुप-डी कर्मचारियों को प्रमोशन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों में लिपिकीय सेवाओं को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से नए भर्ती एवं पदोन्नति नियम लागू कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत क्लर्क पदों पर भर्ती, पदोन्नति, सेवा शर्तें, वरिष्ठता और कंप्यूटर दक्षता से जुड़े नियमों को एक समान ढांचे में लाया गया है। सरकार का मानना है कि इससे विभागों में मानव संसाधन प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा और कर्मचारियों के लिए स्पष्ट करियर पथ सुनिश्चित होगा।

ग्रुप-डी कर्मचारियों को मिलेगा पदोन्नति का अवसर

नए नियमों के अनुसार लिपिक के कुल पदों में से 30 प्रतिशत पद ग्रुप-डी कर्मचारियों की पदोन्नति के माध्यम से भरे जाएंगे। इसके लिए कर्मचारी का कम से कम 10+2 उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। साथ ही उसे ग्रुप-डी श्रेणी में न्यूनतम पांच वर्ष की नियमित सेवा पूरी करनी होगी। पदोन्नति के लिए कर्मचारी की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में कम से कम 70 प्रतिशत मूल्यांकन अच्छा या बहुत अच्छा होना चाहिए। इसके अलावा किसी प्रकार की विभागीय जांच, न्यायिक मामला या प्रतिकूल टिप्पणी लंबित नहीं होनी चाहिए।

65 प्रतिशत पदों पर होगी सीधी भर्ती

सरकार ने लिपिक पदों के 65 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती के लिए निर्धारित किया है। वहीं 5 प्रतिशत पद अनुकंपा नियुक्ति के लिए आरक्षित रखे गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर विभागों के बीच ट्रांसफर या डेपुटेशन के माध्यम से भी पद भरे जा सकेंगे। सीधी भर्ती के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 42 वर्ष निर्धारित की गई है। चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को निर्धारित योग्यता मानकों को पूरा करना होगा।

सीपीए सम्मेलन में ई-बसों से आएंगे-जाएंगे राष्ट्रमंडल प्रतिनिधि, तेल बचाने पर जोर

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ इंडिया रीजन के जोन-2 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और ईंधन की खपत कम करने के आह्वान की स्पष्ट झलक देखने को मिलेगी। सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आयोजन से जुड़े सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सम्मेलन के दौरान मितव्ययिता, पर्यावरण संरक्षण और उत्कृष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए तथा किसी भी प्रकार के अनावश्यक खर्चे न होने पाएं। इसी सोच के अनुरूप सम्मेलन में आने वाले सभी प्रतिनिधियों और अधिकारियों के आवागमन की व्यवस्था ई-बसों के माध्यम से की गई है। इस पहल से न केवल पेट्रोलियम पदार्थों की खपत में कमी आएगी, बल्कि बड़े वाहनों के सामूहिक उपयोग से परिवहन व्यय में भी उल्लेखनीय बचत होगी। हरियाणा विधान सभा सचिवालय ने प्रतिनिधियों के लिए छह आधुनिक ई-बसों की व्यवस्था की है। योजना के अनुसार 6 बसें हरियाणा व पंजाब एमएलए हॉस्टल तथा प्रतिनिनिधियों के दूसरे आवास स्थलों से संचालित होंगी।इन बसों के माध्यम से सभी प्रतिनिधियों को दोपहर 12 बजे हरियाणा लोक भवन पहुंचाया

जाएगा, जहां हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष की ओर से उनके सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया गया है। इसी दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पीठासीन अधिकारियों के साथ संक्षिप्त विचार-विमर्श भी करेंगे। इसके उपरांत दोपहर 2 बजे सभी प्रतिनिधि ई-बसों से हरियाणा विधान सभा पहुंचेंगे और सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे। उद्घाटन सत्र से पूर्व सेरेमोनियल गेट पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया जाएगा तथा सभी प्रतिनिधियों का सामूहिक छायाचित्र भी लिया जाएगा।

उद्घाटन सत्र के बाद प्रतिनिधियों को ई-बसों के माध्यम से सेक्टर-18 स्थित टैगोर थियेटर ले जाया जाएगा, जहां भारतीय संविधान के मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं पर आधारित विशेष नाट्य प्रस्तुति आयोजित की जाएगी। दिनभर के सभी कार्यक्रमों के दौरान आवागमन की व्यवस्था ई-बसों से ही सुनिश्चित की गई है और अंत में प्रतिनिधियों को उनके आवास स्थलों तक भी इन्हीं वाहनों से पहुंचाया जाएगा। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यह सम्मेलन केवल संसदीय विमर्श का मंच नहीं होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और सार्वजनिक संसाधनों के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग का भी एक उदाहरण प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों की बचत और सुशासन' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज की कॉकरोज जनता पार्टी को सलाह- 'संघर्ष करो, लेकिन नाम बदल लो

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर की गई अपनी टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को संघर्ष करने और अपनी बात रखने का अधिकार है। इस पर उन्होंने कॉकरोज जनता पार्टी के पदाधिकारियों को सलाह देते हुए कहा कि ''प्रजातंत्र है-संघर्ष करों, अधिकार है, लेकिन अपना नाम बदल लो''। विज ने अपनी पोस्ट में लिखा था, 'कॉकरोच एक बहुत ही गंदे कीट का नाम है। इसको छोटा बच्चा भी देखकर चप्पल से कुचल देता है। संघर्ष करो, यह प्रजातंत्र में सबको अधिकार है, परंतु अपना नाम बदल लो।' विज मीडिया कर्मियों के प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। हरियाणा विधानसभा के प्रतिपक्ष के नेता भूपेन्द्र सिंह हुडडा ने सत्र न बुलाने के संबंध में दिए गए ब्यान के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि जब सत्र होते हैं तो ये आते नहीं हैं, जब सरकार के मंत्री व मुख्यमंत्री जवाब देने लगते हैं, ये (कांग्रेस) वॉकआऊट कर जाते हैं। श्री विज ने कांग्रेप पर तंज कसते हुए कहा कि ''प्रजातंत्र के साथ कांग्रेस पार्टी बहुत बडा छलावा कर रही है,

इनके पास कहने के लिए कुछ नहीं हैं, खाली इनको छपास रोग है। बस अखबार में छपना चाहिए चाहे उल्टा छपे या सीधा छपे''। दीपेन्द्र सिंह हुडडा की गिरफतारी के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि ''हम इनको क्यों मारेंगे, जबकि कानून व्यवस्था को संभालने वाली एजेंसियों का काम जान-माल की रक्षा होता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि इनके कृत्यों से ही हरियाणा की जनता हमें सरकार में आने देती है, हम इनको क्यों मारेंगें''!

हाईटेक जेल से 2 कैदियों के फरार होने पर कार्रवाई, सुपरिंटेंडेंट सुरेंद्र दलाल सस्पेंड

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा की रेवाड़ी स्थित हाईटेक जेल से दो कैदियों के फरार होने के मामले में जेल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई का दायरा बढ़ गया है। मामले की जांच पूरी होने के बाद जेल विभाग ने जेल सुपरिंटेंडेंट सुरेंद्र दलाल को निलंबित कर दिया है। उन पर जेल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में लापरवाही बरतने के आरोप लगाए गए हैं।

यह कार्रवाई मार्च 2026 में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें दो कैदी जेल की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए फरार हो गए थे। मामले ने उस समय जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।

25 फीट ऊंची दीवार पार कर भागे थे कैदी

जानकारी के अनुसार, 28 मार्च को रेवाड़ी की हाईटेक जेल से दो कैदी करीब 25 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए थे। घटना सामने आने के बाद जेल विभाग और स्थानीय पुलिस में हड़कंप मच गया था। तत्काल सर्च अभियान चलाकर दोनों कैदियों को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, कैदियों की दोबारा गिरफ्तारी के बावजूद सुरक्षा चूक को गंभीर माना गया और जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की जांच शुरू की गई थी। घटना के बाद जेल महानिदेशक (DG Jail) कार्यालय ने प्रारंभिक जांच के आधार पर पांच हेड वार्डर और दो वार्डर सहित कुल सात जेल कर्मियों को निलंबित कर दिया था। उस समय अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया था कि जेल सुपरिंटेंडेंट सुरेंद्र दलाल की भूमिका और कार्यप्रणाली की अलग से जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर अब सुरेंद्र दलाल के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की गई है। सूत्रों के अनुसार, घटना के समय वह अवकाश पर थे, लेकिन जेल प्रशासन की समग्र जिम्मेदारी को देखते हुए उन्हें जवाबदेह माना गया। रेवाड़ी की जिला जेल को आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस हाईटेक जेल माना जाता है। इसके बावजूद दो कैदियों का जेल परिसर

से फरार होना सुरक्षा प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती के रूप में देखा गया। घटना के बाद जेल की सुरक्षा प्रणाली, निगरानी व्यवस्था और कर्मचारियों की जिम्मेदारियों की व्यापक समीक्षा की गई। जेल विभाग का मानना है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जवाबदेही तय करना आवश्यक है। इसी दिशा में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा सरकार की योजनाएं कागजो तक सीमित, गरीबों को मिल रही परेशानियां : सैलजा

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा की भाजपा सरकार बड़े-बड़े वादे तो करती है, लेकिन धरातल पर आम लोगों, विशेषकर गरीब और कमजोर वर्गों को योजनाओं का लाभ लेने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार की अधिकांश जनकल्याणकारी योजनाएं प्रचार तक सीमित होकर रह गई हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा देने का प्रावधान है, लेकिन सरकार द्वारा निजी स्कूलों को समय पर प्रतिपूर्ति राशि नहीं दिए जाने के कारण हजारों बच्चों के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। आज प्रकाशित समाचारों से स्पष्ट है कि करोड़ों रुपये का भुगतान लंबित होने के कारण स्कूल प्रबंधन आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले बच्चों को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। इससे गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है।

उन्होंने कहा कि यही स्थिति आयुष्मान भारत योजना की भी है। सरकार आयुष्मान कार्ड बनाकर अपनी उपलब्धियां गिनाती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अस्पतालों को समय पर भुगतान नहीं मिलने के कारण अनेक निजी चिकित्सालय आयुष्मान कार्ड धारकों का उपचार करने में आनाकानी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, कई गंभीर बीमारियों और उपचारों को योजना के दायरे से बाहर कर दिया गया है, जिससे कार्ड होने के बावजूद गरीब मरीजों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा है।कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार ने वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों के दौरान महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत हर महीने 2100 रुपये देने का वादा किया था। चुनाव के बाद सरकार ने इस योजना के साथ अनेक शर्तें जोड़ दीं, जिसके कारण बड़ी संख्या में जरूरतमंद महिलाएं अभी तक इस लाभ से वंचित हैं।

टाटा ग्रुप की 7 कंपनियां इस हफ्ते ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड

जानिए किन कंपनियों ने घोषित किया कितना लाभांश और रिकॉर्ड डेट

मुंबई ।

निवेशकों के लिए अच्छी खबर है, इस हफ्ते टाटा ग्रुप की कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड के तौर पर ट्रेड करेंगी। इसका मतलब है कि इन कंपनियों के शेयर खरीदने वाले योग्य निवेशकों को लाभांश का भुगतान किया जाएगा। टाटा मोटर्स, वोल्टास, टाटा स्टील जैसी दिग्गज कंपनियां इस सूची में शामिल हैं, जिनकी रिकॉर्ड डेट 10 और 12 जून तय की गई है। इस सप्ताह टाटा समूह के शेयरधारकों को लाभांश का लाभ मिलने वाला है। कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेडिंग के लिए तैयार हैं। इनमें टाटा स्टील लिमिटेड, वोल्टास लिमिटेड और टाटा मोटर्स लिमिटेड शामिल हैं, जिन्होंने प्रति शेयर 4 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 12 जून तय की गई है। वहीं टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने प्रति शेयर 11 रुपये का बड़ा लाभांश देने का ऐलान किया है, जबकि टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रति शेयर 3.40 रुपये का भुगतान करेगी। टाटा एलेक्सी लिमिटेड सबसे बड़ा लाभांश, प्रति शेयर 75 रुपये देने जा रही है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 10 जून निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, ट्रेंट लिमिटेड भी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी और अपने निवेशकों को प्रति शेयर 6 रुपये का लाभांश देगी। निवेशकों को रिकॉर्ड डेट से पहले इन शेयरों को खरीदने पर ही लाभांश का लाभ मिलेगा।

सेमीकंडक्टर क्रांति- भारत में बनेंगे करोड़ों चिप्स, 2035 तक आधी जरूरतें होंगी पूरी

इसी साल शुरू होगा उत्पादन, आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में बड़ी छलांग

मुंबई ।

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुमानों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2035 तक भारत अपनी कुल सेमीकंडक्टर मांग का आधा हिस्सा (50 फीसदी) खुद देश में ही तैयार करने लगेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि कुछ फैक्ट्रियों में तो इसी साल से उत्पादन भी शुरू होने जा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला भारी बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। फिलहाल भारत अपनी सेमीकंडक्टर जरूरतों का 90 फीसदी विदेशों से आयात करता है। सेमीकंडक्टर आयात बिल लगातार बढ़ रहा है; वित्त वर्ष 2019 में जहां यह 11.9 अरब डॉलर था, वहीं वित्त वर्ष 2025 तक इसके 30.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती निर्भरता और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ढ्ढस्रू) की प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से कम से कम चार प्रोजेक्ट्स में इसी साल से कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। सरकार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लेकर आ रही है, जिसका बजट 1,00,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसका लक्ष्य सिर्फ चिप बनाना ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े केमिकल, मशीनें और गैसें तैयार करने का पूरा ढांचा विकसित करना है। नीति आयोग का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में भारत की सेमीकंडक्टर मांग करीब 44 अरब डॉलर रहेगी, जो 2035 तक पांच गुना बढ़कर 206 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। आयोग का यह भी मानना है कि साल 2035 तक भारत करीब 120 अरब डॉलर का एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम खड़ा कर लेगा। शुरुआती दौर में टाटा ग्रुप, सीजी पावर और कायन्स के तीन प्लांट इसी साल चालू हो जाएंगे, जो मिलकर हर दिन करीब 6.9 करोड़ (69 मिलियन) चिप बनाएंगे।

इसके अलावा, देश में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के प्रोजेक्ट को भी मंजूरी मिल गई है, जिसके तहत अगले 22 महीनों में देश के पहले माइक्रो-एलईडी चिप बनकर तैयार हो जाएंगे। यह पहल भारत को सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक मानचित्र पर एक मजबूत स्थिति में स्थापित करेगी, जैसा कि चीन और जर्मनी जैसे देश भी अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

टॉप कंपनियों को 1.25 लाख करोड़ का नुकसान, आरआईएल सबसे बड़ा लूजर

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई की बाजार हैसियत बढ़ी

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत बढ़ गई।समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,95,346.09 करोड़ रुपये पर आ गया।भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी का मूल्यांकन 16,880.20 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये पर आ गया।इसके अलावा एलआईसी का बाजार मूल्य 14,610.74 करोड़ रुपये घटकर 5,05,873.32 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 9,681.36 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,580.97 रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,909.23 करोड़ रुपये घटकर 4,98,301.31 करोड़ रुपये पर आ गया।इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 12,692.09 करोड़ रुपये बढ़कर 9,02,523.63 करोड़ रुपये रहा।आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 4,101.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,50,743.31 करोड़ रुपये रहा।शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

झारखंड से ब्रिटेन को आम्रपाली आम का निर्यात

नई दिल्ली ।

भारत ने झारखंड से ब्रिटेन को 1.5 टन ताजा 'आम्रपाली' आम का निर्यात किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ये आम झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए हैं। यह एक पूर्ण महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) है, जो स्थानीय महिला किसानों को संगठित कर कृषि उत्पादन और विपणन का कार्य करती है। आमों की यह खेप चार जून को कोलकाता से ब्रिटेन के लिए रवाना की गई। यह निर्यात झारखंड के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने और महिला किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अल्फाग्रेप का एमएफ बाजार में प्रवेश, 30,000 करोड़ एयूएम का लक्ष्य

सेबी की हरी झंडी, 6 जुलाई को खुलेगा मल्टी-एसेट फंड

नई दिल्ली ।

अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट अगले महीने अपनी पहली म्यूचुअल फंड योजना के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहा है। कंपनी ने अगले तीन से पांच वर्षों में 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिलने के बाद, अल्फाग्रेप औपचारिक रूप से भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में प्रवेश कर रहा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार उनकी पहली नई कोष पेशकश (एनएफओ) एक बहु-संपत्ति आवंटन कोष होगी, जो 6 से 20 जुलाई तक निवेशकों के लिए खुलेगी। यह कोष इक्विटी, बॉन्ड, मनी मार्केट और सोने, चांदी व अन्य अनुमत जिंस एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश करेगी। अंबानी ने बताया कि अल्फाग्रेप उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग पर आधारित 'क्वांटिटेटिव' निवेश रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी का उद्देश्य निवेशकों को अलग व विशिष्ट उत्पाद देना है। बहु-संपत्ति कोष के बाद, एक ओपन-एंडेड डायनेमिक इक्विटी योजना भी पाइपलाइन में है, जो बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश करेगी। 2010 में स्थापित अल्फाग्रेप एक वैश्विक क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग और निवेश फर्म है।

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल–तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टॉक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया।

हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जीडीपी, ईरान वार्ता और बैंकिंग सेक्टर से तय होगी शेयर बाजार की चाल

वैश्विक संकेत और रुपए की मजबूती पर भी रहेगी निवेशकों की रहेगी नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह गिरावट दर्ज किए जाने के बाद इस सप्ताह निवेशकों की नजर शुक्रवार को जारी हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के असर पर टिकी रहेगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते, वैश्विक संकेतों और घरेलू बैंकिंग सेक्टर की चाल इस सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करेगी। जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किए गए थे, जिसके चलते इनका वास्तविक असर सोमवार को बाजार खुलने पर देखने को मिलेगा। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह बाजार की दिशा कई घरेलू और वैश्विक कारकों से तय होगी। सबसे पहले अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। यदि इस दिशा में कोई सकारात्मक प्रगति होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आ सकती है, जिसे भारतीय बाजार के लिए एक शुभ संकेत माना जाएगा। इसके अतिरिक्त अमेरिकी बाजारों की चाल व्यापक वैश्विक रुझान, रुपये की मजबूती और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक सकारात्मक संकेत के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया नीति के बाद बैंकिंग शेयरों में मजबूती देखने को मिली है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बैंक निफ्टी निफ्टी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक निफ्टी 54,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ है, जिसे तकनीकी रूप से एक महत्वपूर्ण ब्रेकआउट जोन माना जा रहा है। वहीं निफ्टी के लिए 23,100-23,150 का स्तर मजबूत सपोर्ट का काम कर सकता है। फिलहाल बाजार में बड़ी गिरावट की आशंका कम दिख रही है। विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे घबराने के बजाय गुणवत्ता वाले शेयरों में चरणबद्ध तरीके से खरीदारी के अवसर तलाशें। सरकार की तरफ से भी भविष्य में कुछ सकारात्मक कदम देखने को मिल सकते हैं, जो बाजार को और मजबूती प्रदान करेंगे।

मौसम की मार से मालदा के हिमसागर आम के निर्यात पर संकट

लगातार बारिश और बढ़े तापमान से आमों पर उभरे काले धब्बे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के प्रसिद्ध हिमसागर आम का निर्यात इस वर्ष मौसम की मार से संकट में है। लगातार बारिश और फिर बढ़े तापमान के कारण आमों पर काले धब्बे उभर आए हैं, जिससे बड़ी मात्रा में गुणवत्तापूर्ण फलों का निर्यात संभव नहीं हो पा रहा है। निर्यातकों के अनुसार ये धब्बे रोग संक्रमण के शुरुआती संकेत हैं। आमों को सुरक्षित रखने वाली बैगिंग तकनीक भी इस बार लगातार वर्षा और बाद में बढ़ी गर्मी के कारण अप्रभावी साबित हुई, जिससे फलों को भारी नुकसान पहुंचा। एक फूड प्रोडक्ट्स कंपनी ने बताया कि धब्बेदार फलों को विदेशी आयातक स्वीकार नहीं करते, जिसके चलते अमेरिका भेजी जाने वाली इस सीज़न की पहली खेप को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निर्यात ऑर्डर होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। हालांकि उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। उनके अनुसार केवल लगभग 15 प्रतिशत बैग किए गए फल प्रभावित हुए हैं, और लाखों अन्य आम अभी भी निर्यात योग्य हैं। विदेशी बाजारों में हिमसागर की मांग मजबूत बनी हुई है। निर्यातक अब अप्रभावित बागानों से उच्च गुणवत्ता वाले आमों की पहचान कर अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बनाए रखने और निर्यात लक्ष्य का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

टाटा स्टील ब्रिटेन परियोजना में देरी बिजली कनेक्शन बना रोड़ा

1.25 अरब की हरित इस्पात परियोजना छह से आठ महीने खिसकी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील की ब्रिटेन में 1.25 अरब की कम कॉर्बन उत्सर्जन वाली इस्पात परियोजना को बिजली कनेक्शन में देरी के कारण छह से आठ महीने का विलंब हो सकता है। पोर्ट टैलबोट संयंत्र में 32 लाख टन क्षमता वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) स्थापित करने की यह योजना अब तय समय से पीछे हो सकती है, क्योंकि राष्ट्रीय ग्रिड आवश्यक उच्च-वोल्टेज कनेक्शन उपलब्ध कराने में असमर्थ है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड की परियोजना में देरी से ईएएफ का परिचालन प्रभावित होगा। यह नया संयंत्र पुराने ब्लास्ट फर्नेस की जगह लेगा और टाटा स्टील की कार्बन उत्सर्जन में 90 प्रतिशत (सालाना करीब 50 लाख टन) कमी लाने की रणनीति का प्रमुख हिस्सा है। ब्रिटेन सरकार की 50 करोड़ पाउंड की सहायता वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना में टाटा स्टील, ब्रिटेन सरकार और राष्ट्रीय ग्रिड के साथ मिलकर देरी के प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही है। परियोजना स्थल पर प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्य पूरे हो चुके हैं और उपकरणों का निर्माण व आपूर्ति जारी है। हालांकि, नए ईएएफ को संचालित करने के लिए उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति अनिवार्य है, जो अभी उपलब्ध नहीं है। कंपनी ने ऐसी बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में समय-सीमा में बदलाव को सामान्य बताया है। 3 जून को परियोजना स्थल पर आग लगने की एक घटना भी हुई थी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

प्याज पर ढील बेअसर, किसान बोले- एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल हो

केंद्र द्वारा खरीद मानकों में ढील का स्वागत, पर 1580 प्र ति क्विंटल की मौजूदा दर नाकाफी

नासिक ।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए अधिक राहत की मांग की है। किसानों का कहना है कि असली समस्या खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है और उन्होंने प्याज के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की औसत उत्पादन लागत (लगभग 1,800 रुपए प्रति क्विंटल) को भी पूरा नहीं करती। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अनुसार, ढील के बावजूद किसान घाटे में हैं। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने नेफेड और एनसीसीएफ से प्रतिदिन खरीदे गए प्याज और किसानों की सूची सार्वजनिक करने, साथ ही खरीद कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) के माध्यम से कराने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पिछले चार-पांच महीनों में कम कीमत पर प्याज बेचने वाले लाखों किसानों को 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की भी मांग की गई है ताकि वे हुए नुकसान की भरपाई कर सकें। उधर, महाराष्ट्र सरकार ने नेफेड और एनसीसीएफ द्वारा की जाने वाली प्याज खरीद पर एपीएमसी शुल्क माफ कर दिया है, लेकिन किसान नेताओं का कहना है कि इसका लाभ मुख्य रूप से खरीद एजेंसियों को मिलेगा, किसानों को नहीं।

किसान संगठन ने चेतावनी दी है कि केवल मानकों में ढील देने से समस्या का समाधान नहीं होगा; इसके लिए लाभकारी मूल्य और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

एनसीएलएटी ने लिगेयर एविएशन की दिवाला प्रक्रिया रद्द की

राउंड–ट्रिपिंग को बताया असली कर्ज नहीं

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने लिगेयर एविएशन लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने अपने फैसले में कहा कि यह वास्तविक वित्तीय ऋण का नहीं, बल्कि धन के केवल इधर-उधर स्थानांतरण (राउंड-ट्रिपिंग) का मामला था। न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की याचिका स्वीकार की थी। एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया कि किसी लेन-देन को वित्तीय ऋण मानने के लिए उसमें टाइम वैल्यू ऑफ मनी का तत्व होना आवश्यक है, जो इस मामले में अनुपस्थित था। रिकॉर्ड से पता चला कि लिगेयर एविएशन को कोई वास्तविक वित्तीय ऋण नहीं दिया गया था। पीठ ने कहा कि यह लेन-देन केवल अघोषित उद्देश्यों के लिए धन के घुमाव का एक उदाहरण था, जिसके आधार पर दिवाला प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी। मामले की सुनवाई में सामने आया कि 31 मार्च, 2009 को रेलिगेयर आर्ट्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड ने लिगेयर एविएशन को 3.6 करोड़ रुपये भेजे थे, पर यह राशि उसी दिन तुरंत रेलिगेयर फिनवेस्ट को स्थानांतरित कर दी गई। एनसीएलएटी ने पाया कि बैंक रिकॉर्ड भी समूह की विभिन्न कंपनियों के बीच धन के लगातार आदान-प्रदान को दर्शाते हैं। यह पुष्टि करता है कि यह वास्तविक ऋण नहीं था और राशि लिगेयर एविएशन के पास 24 घंटे भी नहीं रही थी। एनसीएलएटी ने अपने अंतिम आदेश में कहा कि जब कोई वास्तविक वित्तीय ऋण ही नहीं था, तो कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी।

यह मामला सिंह बंधुओं से जुड़े कारोबारी समूह की कंपनियों से संबंधित है।

उज्बेकिस्तान का भारतीय फार्मा को न्योता, बनेगा क्षेत्रीय हब

– सब्सिडी, तकनीक हस्तांतरण से निवेश, द्विपक्षीय व्यापार में तेजी

नई दिल्ली ।

उज्बेकिस्तान भारतीय दवा कंपनियों को आकर्षित करने हेतु सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सरल नियमन की पेशकश कर रहा है। देश का लक्ष्य खुद को क्षेत्रीय दवा विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एक अे धिकारी ने बताया कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नियामक मंजूरियों को आसान बनाना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल करना और नौकरशाही बाधाएं कम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट व अनुमान लगाने योग्य नियामकीय समयसीमा से स्थानीय उत्पादन अधिक आकर्षक होगा। इसके अतिरिक्त, कर प्रोत्साहन, सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व औद्योगिक संकुलों में भागीदारी भी निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा व दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता को उच्च मूल्य वाले फार्मा निवेश के लिए अहम बताया। ये सुधार भारतीय कंपनियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाओं के उत्पादन में मदद करेंगे, जो उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारेगा और उसे क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार 2025 में 33.3 फीसदी बढ़कर 1.31 अरब डॉलर पहुंच गया।

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

मनोज कुमार अग्रवाल

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गएं हैं।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है।

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताव्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रितावृता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।स्पष्ट है कि आज की राजनीति में साम दाम दंड भेद सब का चलन बढ़ गया है सत्ता में सबको समेट रखने की ताकत है लेकिन सत्ता से बाहर होते ही अपने सगे साथियों की हकीकत सामने आ जाती है कि उनके दिल में कितना खार छुपाए बैठे थे यह बदलते दौर की राजनीति की नंगी तस्वीर है इस को स्वीकार करना ही होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

युद्ध खत्म होगा या नहीं?

युद्धविराम और समझौते की कथित बातचीत के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने हुंकार भरी है कि ईरान 21 दिन में खत्म हो जाएगा। वह सब कुछ तबाह कर देंगे। फिर ट्रंप युद्धविराम की नई परिभाषा देते हुए कहते हैं कि सीमित और संयमित गोलीबारी युद्धविराम ही है। कमोबेश बमबारी, मिसाइलों की बौछार और विनाशक हमले तो बंद हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किन 21 दिनों की बात कर रहे हैं? 8 अप्रैल से तो कथित युद्धविराम है। अब शांति-समझौता करना चाहते हैं अथवा युद्ध आगे भी जारी रह सकता है? दूसरी तरफ ईरान के आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमले कर तबाही मचा दी है। इन्हें अमरीकी सैन्य ठिकाने भी माना जाता है। कुवैत हवाई अड्डे का टर्मिनल-1 तो विनष्ट हो गया। वहां एक भारतीय (उज्जैन निवासी) मारा गया और 13 घायल हुए हैं। अन्य घायलों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ईरान ने एक ही रात में चार देशों पर हमले कर अमरीकी पक्ष को थर्रा दिया है। ईरानी नौसेना ने ओमान खाड़ी में अमरीकी युद्धपोत पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया है। अमरीका के कान खड़े हो गए होंगे! युद्ध के सायरन बजने लगे हैं। लड़ाकू विमान आसमान में मंडराने, गरजने लगे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ समझौते को लेकर उम्मीद जताते हैं, तो दूसरी तरफ तबाही की धमकियां देते हैं! यह युद्धविराम कैसा है अथवा ईरान युद्ध का दूसरा चरण शुरू हो चुका है? इसी बीच अमरीकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान रोका जाए और सैनिकों की वापसी शुरू की जाए। प्रस्ताव में यह निर्देश भी है कि यदि भविष्य में युद्ध की कार्रवाई अपरिहार्य हो, तो पहले कांग्रेस (संसद) की मंजूरी ली जाए। प्रस्ताव के पक्ष में 215 और उसके खिलाफ 208 वोट आए। राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 4 सांसदों ने भी क्रॉस वोटिंग की और डेमोक्रेट्स का समर्थन किया। इससे पहले सीनेट में भी ट्रंप-समर्थक सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिए थे। संसद में पारित प्रस्ताव के जरिए राष्ट्रपति की निरंकुश युद्ध-शक्तियों को भी सीमित किया गया है। यह घटनाक्रम और परिदृश्य राष्ट्रपति ट्रंप के लिए राजनीतिक और संसदीय आघात से कम नहीं है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप पारित प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' करार देते हुए 'वीटो' कर सकते हैं, लेकिन वह राष्ट्रपति और संसद के बीच टकराव की नौबत से बचना चाहेंगे।

चिंतन-मनन

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है।

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शर्क्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्तिा है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान के मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्यापक है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उसी निराकार का रूप सृष्टि है। आकार बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व वही रहता है। जैसे सोने से विभिन्न आभूषण बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व सोना वही रहता है। इस तरह से हम कह सकते हैं, आत्मा ही सत्य है और आत्मा ही पुरातन है, आत्मा ही सनातन है।

समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं ...

दिलीप कुमार पाठक

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अखबारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेजुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो जहर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है।

रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब जरूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुमार्ना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये, भारत को दो तरफ से घेरने की रणनीति!

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोचेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है। देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सहारा रेगिस्तान में ट्रक फंसा, प्यास से 49 लोगों की मौत

हारौबा, एजेंसी। नाइजर के सहारा रेगिस्तान में प्यास से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिस ट्रक में वे यात्रा कर रहे थे, वह रास्ते में खराब हो गया था। यात्रियों ने कई दिनों तक इसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो पाए। यह ट्रक माली के हारौबा शहर से रवाना हुआ था, जो नाइजर सीमा से 300 किलोमीटर से अधिक दूर है। वे एक मुस्लिम धार्मिक उत्सव में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। यात्रा के दौरान उनका ट्रक खराब हो गया। वे रेगिस्तान के ऐसी जगह फंस गए थे जहां बेहद ज्यादा तापमान होता है। वहां पानी और बाकी जरूरी सामान मिलना बहुत मुश्किल होता है। ऐसी जगह फंस जाने के कारण उनके पास मौजूद पानी खत्म हो गया। इस हादसे में केवल दो लोग बच पाए। उन्होंने किसी तरह रेगिस्तान पार कर नजदीकी शहर असामाका तक पहुंचने में सफलता हासिल की और वहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जब बचाव दल मौके पर पहुंचा तो ट्रक के नीचे और उसके आसपास दर्जनों शव पड़े मिले। बचाव टीम ने मृतकों के शवों को सामूहिक कब्र में दफना दिया। घटनास्थल से लौटते समय बचाव दल को एक और खराब ट्रक मिला। इस ट्रक में 60 से अधिक लोग सवार थे, जो बैटरी खराब होने के कारण पिछले तीन दिनों से रेगिस्तान में फंसे हुए थे। बचाव टीम ने थके हुए और परेशान यात्रियों को पानी दिया। साथ ही उन्होंने ट्रक की मरम्मत में मदद की, जिसके बाद वे वापस लौट पाए।

एयरपोर्ट पर खड़ा विमान अचानक झुका, अगला हिस्सा जमीन पर गिरा ; कई कर्मचारी घायल

बर्लिन, एजेंसी। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर गेट के पास खड़ा एक यात्री विमान अचानक आगे की तरफ झुक गया। विमान का अगला पहिया टूटने से उसका सामने वाला हिस्सा सीधे जमीन पर जा गिरा। हादसे में कई कर्मचारी घायल हो गए। यह घटना तब हुई, जब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान की तैयारी में था। उस समय यात्री विमान में सवार नहीं हुए थे, लेकिन क्रू मेंबर और ग्राउंड स्टाफ अंदर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान का अगला हिस्सा तेजी से नीचे गिरता दिखा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी टीमें पहुंचीं। लुफ्थांसा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। यह विमान फ्रैंकफर्ट से लॉस एंजिलिस जाने वाला था। जिस विमान के साथ हादसा हुआ, वह नया बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर था और जनवरी 2026 से ही नियमित सेवा में शामिल हुआ था। फिलहाल हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका : आव्रजन नीति पर अदालत की रोक

बोस्टान , एजेंसी। अमेरिका में आव्रजन नीति को लेकर ट्रंप प्रशासन को बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने उस विवादित नीति को रद्द कर दिया है, जिसके तहत 39 देशों के प्रवासियों के शरण, वर्क परमिट, ग्रीन कार्ड और नागरिकता से जुड़े मामलों पर गंभीर असर पड़ रहा था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह नीति हजारों प्रवासियों को कानूनी अनिश्चितता में धकेल रही थी और इसे लागू करने वाली एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की। अदालत ने नीति को बताया मनमाना और कानून के खिलाफ अमेरिकी जिला न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जॉन मैककॉनेल जूनियर ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (स्ष्ठद्बस्) ने ऐसी शक्तियों का दावा किया, जो उसे कानूनन प्राप्त नहीं हैं। न्यायाधीश ने कहा कि एजेंसी ने बिना पर्याप्त और तर्कसंगत स्पष्टीकरण दिए फैसले लिए और उन लोगों के हितों को नजरअंदाज किया, जिन्होंने मौजूदा नियमों के आधार पर आवेदन किए थे। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिए गए कई तर्क वास्तविकता से मेल नहीं खाते और इन नीतियों में प्रवासियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण झलकता है।

अफ्रीका में इबोला का बढ़ता खतरा

किंशासा, एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 452 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 82 लोगों की मौत हो गई है। 4 जून को ही 71 नए मामले और 21 मौतें दर्ज की गईं, जिससे सामुदायिक संक्रमण की गंभीरता बढ़ गई है। वर्तमान में 258 मरीज इलाज या आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने कमजोर संपर्क-ट्रेसिंग, दवाओं और चिकित्सा संसाधनों की कमी तथा 2.15 करोड़ डॉलर की फंडिंग कमी जैसी चुनौतियां हैं। पड़ोसी युगांडा में भी तीन नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 19 हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने जून से नवंबर तक के लिए 518 मिलियन डॉलर की महाद्वीपीय इबोला तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना शुरू की है। अब तक 34 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हुए हैं।

युद्धविराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव , एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ।

हिजबुल्ला ने हमला कैसे किया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरीयत शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी।

युद्धविराम के बावजूद क्यों बढ़ा तनाव : बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्राइल और लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने ईरान-हिजबुल्ला पर क्या कहा : लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है।

पश्चिम एशिया पहले से ही इस्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग-अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या युद्धविराम बच पाएगा या फिर क्षेत्र एक बार फिर बड़े संघर्ष की तरफ बढ़ेगा। युद्ध की मार से तबाह हुए कई गांव दक्षिणी लेबनान के काफी इलाके पहले ही युद्ध की वजह से भारी तबाही झेल चुके हैं। कई गांव खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इनमें मरजायौन कस्बे के पास स्थित दिब्बीन गांव भी शामिल है, जहां से इस्राइली सैनिक एक दिन पहले ही पीछे हटे थे।

पीओके में तैनात किए जाएंगे 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी, लोगों में बढ़ी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में 14 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात करने जा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पीओजेके के मानवाधिकार कर्मी व राजनीतिक टिप्पणीकार अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान पर सोची-समझी साजिश के तहत क्षेत्र के सैन्यीकरण का आरोप लगाया है। पीओजेके के पुलिस महानिरीक्षक की तरफ से स्थानीय प्रशासन के मुख्य सचिव को 4 जून, 2026 को एक सर्कुलर जारी किया गया है। इस सर्कुलर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के बहाने इलाके में हजारों सुरक्षाकर्मियों की तुरंत तैनाती की मांग की गई थी। इस कदम की निंदा करते हुए मिर्जा ने कहा कि इससे पीओजेके में पाकिस्तानी प्रशासन के दोहरेपन और औपनिवेशिक सोच का पता चलता है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित तैनाती पीओजेके के प्रधानमंत्री द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के उलट है। पहले उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण जन-प्रदर्शनों से निपटने के लिए बल या जबरदस्ती का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

पुतिन बोले- ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है।

'ईरान ने पहले उकसावे की कार्रवाई नहीं की' : रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए।

पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी-अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।

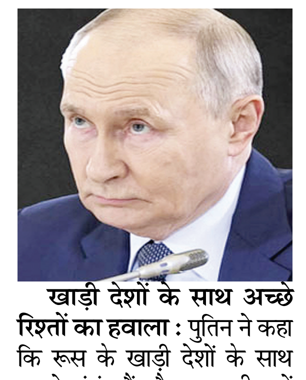

खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्तों का हवाला : पुतिन ने कहा कि रूस के खाड़ी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं और वह सभी पक्षों से संवाद बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि ईरान और अरब देशों दोनों के साथ रूस के मजबूत संबंध हैं, जिससे स्थिति को समझना और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। पुतिन ने कहा कि रूस किसी भी तरह की शांति वार्ता या मध्यस्थता प्रक्रिया में योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि रूस से कोई भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, तो वह पीछे नहीं हटेगा।

ट्रंप के युद्धविराम निर्णय का समर्थन : रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संघर्ष रोकने की बात कही थी। पुतिन ने कहा कि यह निर्णय सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका ने मार गिराए ईरान के ड्रोन, रडार ठिकानों पर किए हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे ईरान के चार हमलावर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। इसके साथ ही, अमेरिका सेना ने ईरान के तटीय रडार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सेना ने इस क्षेत्र में जहाजों के लिए तत्काल खतरा महसूस होने पर कार्रवाई की। सेंटकॉम ने कहा, 'कुछ ही देर पहले सेना ने ईरान के चार वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया, जिन्हें होर्मुज स्ट्रेट की ओर भेजा गया था। ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे।' सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी सेना ने देश के दक्षिणी तट पर ईरान के निगरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी हमले किए। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बलों ने आगे के हमलों से बचाव के लिए गोरुक और केशम द्वीप पर ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, सेंटकॉम ने हताहतों, नुकसान के आकलन या ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए विमान और हथियारों के प्रकार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बयान में यह भी नहीं बताया गया कि क्या ड्रोन ने किसी कमर्शियल जहाज को सीधे निशाना बनाया था। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। अमेरिकी सेना मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में मौजूद है और अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल शिपिंग की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख समुद्री रास्तों पर नियमित रूप से गश्त करती है।

सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बल जरूरत पड़ने पर और कार्रवाई के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बल सतर्क हैं और आत्मरक्षा में ईरान की अनुचित आक्रामकता का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' फिलहाल, इस ताजा घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है।

हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेता जेम्स हैंडी की उनके घर के बाहर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में 44 वर्षीय माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है, जो हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। घटना बुधवार सुबह की है, जब पुलिस को फोन पर संदिग्ध ने एक पापी व्यक्ति को मारने की बात कही। मौके पर पहुंचने पर 81 वर्षीय हैंडी घर के सामने बेहोश मिले, जिन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी ग्लेडहिल उसी घर में रहता था। और उसने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। जुमांजी और टॉप गनः मेवरिक जैसी फिल्मों से चर्चित हैंडी के निधन से मनोरंजन जगत स्तब्ध है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में उनकी गर्लफ्रेंड के 44 साल के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार किया है। 911 कॉल से मिली जानकारी लॉस एंजिल्स पुलिस को बुधवार को एक विचलित करने वाला 911 कॉल मिला था। कॉल करने वाले शख्स ने डिस्पैचर से कहा था, 'मैं इंसान का बेटा हूं, मैंने अभी-अभी पाप के पुतले को मार दिया है।' इस सूचना के तुरंत बाद जब पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची। यहां जेम्स हैंडी घर के सामने वाले हिस्से (फ्रंट यार्ड) में बेहोश पड़े मिले। उनके सीने पर चाकू के कई गहरे जख्म थे। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गर्लफ्रेंड का बेटा निकला हमलावर पुलिस जांच में सामने आया है कि हमला करने वाला शख्स 44 साल का माइकल ग्लेडहिल है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद पुलिस से संपर्क किया और इस हमले की जिम्मेदारी ली। जांच अधिकारियों के मुताबिक, माइकल जेम्स हैंडी की गर्लफ्रेंड का बेटा है। हत्या के समय वह अपनी मां के घर पर ही रह रहा था। पुलिस ने उसे मर्डर के संदेह में मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और कपड़े मिले घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध शख्स घर के पास से आराम से पैदल गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही क्राइम सीन की तस्वीरों में घर के सामने कुछ कपड़े भी छूटे हुए मिले हैं।

पुलिस इन सभी सबूतों की बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की मुख्य वजह या मकसद का खुलासा नहीं किया है। मामले की जांच अभी जारी है। जेम्स हैंडी का हॉलीवुड करियर जेम्स हैंडी ने हॉलीवुड में कई दशकों तक काम किया था और उनके नाम करीब 150 फिल्में और टीवी शोज दर्ज हैं। उन्होंने 'जुमानजी' और 'टॉप गनः मैवेरिक' जैसी सुपरहिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। इसके अलावा वे 'द एक्स-फाइल्स', 'एनवाईपीडी ब्लू' और 'सीनफील्ड' जैसे मशहूर टीवी शोज का भी हिस्सा रहे थे। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा समय बिताया था और अपनी अलग पहचान बनाई थी।

अस्पताल ले जाते समय हुआ निधन : आपातकालीन सहायता दल के पहुंचने पर अभिनेता बेहोश पाए गए। पैरामेडिक्स उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। फिलहाल इस मामले में हैंडी की प्रेमिका के बेटे माइकल ग्लेडहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था।

क्या है मामला : 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

वेंस ने क्या की टिप्पणी : वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं।

डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान किया जारी : वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वे नहीं चाहते कि हेनरी की मौत का इस्तेमाल और अधिक विभाजन, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए। हमें उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। हमारे देश की राजनीति का उद्देश्य सबसे कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साथ लाना होना चाहिए।

डेमोक्रेट्स ने वेंस की आलोचना की : विपक्षी दल लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी वेंस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हेनरी नोवाक की मौत का राजनीतिकरण करने और देश को बांटने की कोशिशों का विरोध किया जाना चाहिए, चाहे वे कोशिशें वेंस जैसे मागा नेताओं की ओर से हों या ब्रिटेन में उनके समर्थकों की ओर से। इस बीच, हार्ड-राइट पार्टी रिफॉर्म यूके के नेता निगेल फराज सहित कई नेताओं ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई को टू-टियर पुलिसिंग का उदाहरण बताया है।

ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को 'किसी न किसी तरह' खत्म कर दिया जाएगा : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म होने के करीब है और उन्होंने ऐलान किया कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को 'किसी न किसी तरह' रोका जाएगा। शुक्रवार को विस्कॉन्सिन के चिप्पेवा फॉल्स में कृषि से जुड़ी एक बैठक में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनने से रोकने का अपना मकसद काफी हद तक हासिल कर लिया है। ट्रंप ने कहा कि हमें परमाणु हथियार के खतरे को खत्म करना था। हम ऐसा नहीं होने देने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है, आप देखेंगे, और किसी न किसी तरह, यह काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि या तो यह किसी समझौते से खत्म होगा या फिर किसी मुश्किल तरीके से। बता दें कि ट्रंप ने चल रही बातचीत या संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रम जल्द ही और स्पष्ट हो जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस स्थिति को ऊर्जा बाजार और अमेरिकी किसानों पर पड़ने वाले खर्च से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा कि आपके लिए खाद की कीमतें काफी कम होने वाली हैं। खाद सस्ती होगी, ऊर्जा सस्ती होगी, और तेल व गैस की कीमतें भी काफी कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान की स्थिति का नतीजा आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां हम ईरान के मामले से बहुत

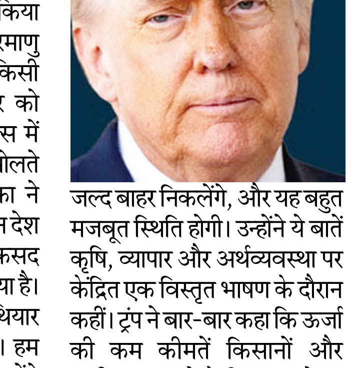

जल्द बाहर निकलेंगे, और यह बहुत मजबूत स्थिति होगी। उन्होंने ये बातें कृषि, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर केंद्रित एक विस्तृत भाषण के दौरान कहीं। ट्रंप ने बार-बार कहा कि ऊर्जा की कम कीमतें किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों का भी जिक्र किया और दावा किया कि ईरान की नौसेना की संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास कोई नौसेना नहीं है। चार दिनों में 159 जहाजों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस अभियान को अमेरिकी सैन्य ताकत का सबूत बताया और कहा कि संघर्ष के दौरान लगाई गई नाकाबंदी अभूतपूर्व थी। उन्होंने कहा कि ऐसी नाकाबंदी पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अभी भी ईरान से जुड़े 'अधूरे कामों' को निपटा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ईरान में कुछ अधूरे कामों को ठीक कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट से मेल नहीं खाता। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सांसदों को पिछले महीने दी गई ब्रीफिंग में बताया गया था।

अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ब्रिटेन, डेनमार्क और कुवैत को लगभग 3 अरब डॉलर के संभावित विदेशी सैन्य सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें लंबी दूरी की मारक मिसाइलें, विमान सुरक्षा प्रणाली और ड्रोन-रोधी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश विभाग ने की है। सबसे बड़ा पैकेज कुवैत के लिए है, जिसे मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएसए) के प्लेटफॉर्म और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1.98 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से कुवैत की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में सुधार होगा, क्योंकि इससे उसे मानवरहित हवाई प्रणालियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक और गतिज मारक क्षमताएं मिलेंगी। इस पैकेज में रोडरनर-म्यूनिशन और एनविल-काइनेटिक प्लेटफॉर्म, लॉन्च बॉक्स, कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम, सेंट्री टावर, समुद्री सेंट्री टावर, विद्युत चुम्बकीय युद्ध प्रणाली, सामरिक संचालन केंद्र, जनरेटर, प्रशिक्षण, सॉफ्टवेयर विकास और रसद सहायता शामिल हैं।

कुवैत को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार कैलिफोर्निया के कोस्टा मेसा स्थित अंदुरिल कंपनी होगी। एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने डेनमार्क को 200 एजीएम-158 जॉइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ मिसाइलों (जेएएसएसएम-ईआर) और संबंधित उपकरणों की 842 मिलियन डॉलर की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है।

विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री डेनमार्क की वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे रॉयल डेनिश वायु सेना (आरडीएएफ) को लंबी दूरी के सटीक हमले करने की क्षमता मिलेगी और आरडीएएफ के एफ-35 विमानों की क्षमता मजबूत होगी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो स्थित लॉकहीड मार्टिन डेनमार्क

को होने वाली इस बिक्री का मुख्य ठेकेदार होगा। यूनाइटेड किंगडम को भी लगभग 160 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर और संबंधित उपकरण खरीदने की मंजूरी मिल गई है। ब्रिटेन के अनुरोध में 36 गार्जियन लेजर टरेट असेंबली और 18 एएन/एएक्यू 24(वी)एन बड़े विमान इन्फ्रारेड काउंटरमेजर सिस्टम प्रोसेसर प्रतिस्थापन के साथ-साथ मिसाइल चेतावनी सेंसर, सहायक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स सहायता शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, 'प्रस्तावित बिक्री से बड़े हवाई प्लेटफार्मों को आधुनिक सुरक्षा प्रदान करके वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए यूनाइटेड किंगडम की क्षमता में सुधार होगा और रॉयल एयर फोर्स की परिचालन तत्परता सुनिश्चित होगी। ब्रिटेन को होने वाली इस बिक्री का प्रमुख ठेकेदार वर्जीनिया के आर्लिंगटन स्थित बोइंग कंपनी होगी। विदेश विभाग ने कहा कि प्रस्तावित बिक्री से संबंधित क्षेत्रों में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा और अमेरिकी रक्षा तैयारियों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अमेरिकी विदेश सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो द्वारा ये अधिसूचनाएं जारी की गईं। कांग्रेस को अधिसूचना मिलने का मतलब यह नहीं है कि अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर हो गए हैं, लेकिन इससे प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो जाता है।

हार्ट अटैक से बचाएगा टमाटर का जूस

महिलाओं-पुरुषों दोनों के लिए फायदेमंद

रिसर्च में पाया गया कि टमाटर का जूस महिलाओं और पुरुषों, दोनों में फायदेमंद होता है। इसलिए कोई भी इसका सेवन कर सकता है। अगर आप जूस नहीं भी पीते हैं, तो अपने रोजाना के खान-पान में टमाटर को जरूर शामिल करें। सलाद में कच्चे टमाटर खाएं। इसके अलावा सब्जी, ग्रेवी आदि में इसका इस्तेमाल करें। ध्यान दें कि टोमैटो केचअप और सॉस में बहुत ज्यादा मात्रा में चीनी और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं, इसलिए इसका सेवन आपके लिए फायदेमंद नहीं होगा।

कई अन्य बीमारियों में भी फायदेमंद है टमाटर का जूस

टमाटर का जूस कई अन्य बीमारियों में भी फायदेमंद पाया गया है। टमाटर में फाइबर भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें एक खास तत्व होता है, जिसे नियासिन कहते हैं। नियासिन वाले आहारों का सेवन हृदय के लिए बहुत अच्छा होता है, क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल को घटाता है। इसके अलावा टमाटर में कई एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिनमें बीटा-कैरोटीन, लाइकोपीन और साइटोन्यूट्रिएंट मुख्य हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स कैंसर और हार्ट अटैक से बचाने में मदद करते हैं।

इससे शरीर को मिलते हैं कई फायदे

हाल में हुई रिसर्च बताती है कि रोजाना 1 कप टमाटर का जूस पीने से आप हार्ट अटैक के खतरे को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा टोमैटो जूस के सेवन से हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की समस्या भी दूर हो जाती है।

टमाटर भारत ही नहीं, दुनिया के बहुत सारे देशों में खाया जाने वाला फल है। भारत में आमतौर पर सब्जियों की ग्रेवी बनाने और डिशेज में खट्टापन लाने के लिए टमाटर का प्रयोग किया जाता है। टोमैटो सॉस और केचअप तो आपने भी खूब खाया होगा, मगर क्या आपने टमाटर का जूस पिया है। रसीले टमाटरों का जूस शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। हाल में हुई एक रिसर्च बताती है कि टमाटर का जूस पीने से हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। ये रिसर्च 'जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड न्यूट्रीशन' में छापी गई है।

बिना नमक के पिएं टमाटर जूस

रिसर्च में बताया गया है कि अगर आप रोजाना 1 कप बिना नमक का टमाटर का जूस पीते हैं, तो आपको हार्ट अटैक आने के खतरे कम हो जाते हैं। दरअसल टमाटर का जूस हाई ब्लड प्रेशर और बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल की समस्या को कंट्रोल करने में मदद करता है। ये दोनों ही समस्याएं व्यक्ति के हार्ट (हृदय या दिल) को प्रभावित करती हैं और हार्ट अटैक का कारण बनती हैं।

कैसे हुई रिसर्च

जापान स्थिति टोक्यो मेडिकल एंड डेंटल यूनिवर्सिटी में हुई इस रिसर्च में लगभग 500 लोगों को शामिल किया गया, जिनमें 184 पुरुष और 297 महिलाएं थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजाना टमाटर का जूस पीने से हाई ब्लड प्रेशर के शिकार 94 लोगों का ब्लड प्रेशर कम हो गया। इनका सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर 141.2 से 137mmHg और डाईस्टोलिक ब्लड प्रेशर 83.3 से 80.9 mmHg हो गया था। इसके अलावा 125 लोगों में बढ़े हुए बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) का स्तर भी घटकर 155 से 149.9 mg/dL हो गया।

माउथवॉश के प्रयोग से हृदय रोग का खतरा

आप हर रोज मुंह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथवॉश का प्रयोग करते हैं? अगर हां, तो यह आपके दिल के लिए अच्छा नहीं है। हाल ही में हुए शोध में सामने आया है कि जो लोग हर रोज माउथवॉश का प्रयोग करते हैं उनमें हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वशेष ब्रांड के एंटीसेप्टिक माउथवॉश पर अध्ययन किया गया था। रिसर्च में पाया गया कि माउथवॉश का दैनिक प्रयोग हार्ट अटैक का खतरा सात प्रतिशत, स्ट्रोक का खतरा 10 प्रतिशत और ब्लड प्रेशर का खतरा 3.5 यूनिट तक बढ़ा देता है। प्रमुख शोधकर्ता अमृता अहलूवालिया की मानें तो, माउथवॉश में मौजूद केमिकल बैड बैक्टीरिया के साथ-साथ गुड बैक्टीरिया को भी मार देते हैं, जिससे यह खतरा और बढ़ जाता है।

लोगों में माउथवॉश का चलन काफी बढ़ गया है। अकसर लोग बिना जरूरत के भी माउथवॉश को अपने रूटीन का हिस्सा बना लेते हैं। बिना आवश्यकता के माउथवॉश का प्रयोग कई बार हमारे लिए परेशानी भी बन सकता है।

बाजार में मुंह और दांत संबंधी कई बीमारी जैसे सांस की बदबू, दांतों में इंफेक्शन, दांतों में प्लाक की समस्या और दांतों की सेंसिटिविटी के लिए माउथवॉश उपलब्ध हैं। इसका इस्तेमाल करते समय हम इससे होने वाले नुकसान के प्रति अनजान ही रहते हैं।

माउथवॉश में कई प्रकार के रसायन होते हैं। यह रसायन हमारे मुंह में फायदे के साथ-साथ कई तरह के नुकसान भी पहुंचाते हैं। बिना वजह माउथवॉश का प्रयोग हमारे दांतों को नुकसान पहुंचाता है। इससे दांतों की सुंदरता पर भी असर पड़ता है और कई तरह की दिक्कत सामने आ सकती हैं।

रेसिपी

नवरतन दाल

सामग्री

■ अरहर दाल- 1/4 कप ■ चना दाल- 1/4 कप ■ धुली मूंग दाल- 1/4 कप ■ काली उड़द दाल- 1/4 कप ■ काली मसूर दाल- 1/4 कप ■ धुली मसूर दाल- 1/4 कप ■ राजमा- 1/4 कप ■ अदरक-लहसुन पेस्ट- 2 चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार ■ हल्दी पाउडर- 1 चम्मच ■ कटी हुई धनिया पत्ती- 3 चम्मच ■ नीबू का रस- 2 चम्मच ■ घी- 3 चम्मच ■ दालचीनी- 1 टुकड़ा ■ जीरा- 1 चम्मच ■ बारीक कटा प्याज- 1 कप ■ कटी मिर्च- 4 ■ कटी हुई लहसुन की कलियां- 10 ■ कटा टमाटर- 1 कप ■ लाल मिर्च पाउडर- 2 चम्मच

विधि

राजमा को धोकर तीन-चार घंटे के लिए पानी में भिगो दें। सभी दालों को धोकर आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। दाल और राजमा को पानी से निकालकर कुकर में डालें। कुकर में आठ कप पानी, अदरक-लहसुन पेस्ट, नमक और हल्दी पाउडर डालें। कुकर बंद करें और दाल को अच्छी तरह से पकाएं। कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। दाल में नीबू का रस और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए पैन में घी गर्म करें और उसमें दालचीनी और जीरा डालें। कुछ सेकेंड बाद पैन में प्याज डालें। जब प्याज का रंग सुनहरा हो जाए तो पैन में हरी मिर्च, लहसुन और टमाटर डालें। तीन से चार मिनट तक पकाएं। गैस ऑफ करें और पैन में लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। तड़के को दाल में डालकर मिलाएं। गर्मागर्म चावल या मटर पुलाव के साथ सर्व करें।

बैंगन का रायता

सामग्री

■ बैंगन- 200 ग्राम ■ दही- 1 चौथाई टीस्पून ■ हींग – 1 चौथाई टीस्पून ■ काली मिर्च पाउडर- चुटकीभर ■ हरी मिर्च – दो ■ लाल मिर्च पाउडर – 1 चौथाई टीस्पून ■ हल्दी पाउडर- 1 चौथाई टीस्पून ■ चीनी- चुटकीभर ■ नमक – स्वादानुसार ■ करी पत्ता- 3-4 ■ तेल- 3 टीस्पून

विधि

बैंगन का रायता बनाने के लिए पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें राई डालकर चटकाएं। फिर इसमें सूखी लाल मिर्च और बैंगन डालकर एक मिनट तक फ्राई करें और थोड़ी देर ढककर पका लें। बैंगन के नर्म होने के बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिला लें। दो मिनट और पकाएं बैंगन को बिल्कुल सॉफ्ट करने के लिए। ठंडा होने पर दही डालें और साथ ही चीनी, नमक, काली मिर्च, भुना जीरा पाउडर। तड़के के लिए पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें करी पत्ता डालें और इसे रायते के ऊपर डाल दें। लंच हो या डिनर कभी भी इसे खाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

लॉफिंग ज़ोन

राम- क्या तुम्हें पता है, मेरा कुत्ता दस तक गिनती जानता है।

श्याम- हां मालूम है।

राम- तुम्हें यह किसने बताया ?

श्याम- मेरे कुत्ते ने।

□ □ □

अध्यापक कक्षा में पढा रहे थे, तभी किसी शरारती छात्र ने सीटी बजा दी।

अध्यापक ने कडककर पूछा- कक्षा में सीटी बजाने की हिम्मत किसने की, रमेश कही तुमने तो नही बजाई ?

रमेश(हडबडाकर)- जी-जी, नही सर, मैं तो सो रहा था।

□ □ □

एक पागल(दूसरे से)- अरे तुमने सुना नही एक महिला आकाश में उड रहे वायुयान से नीचे गिर पडी।

दुसरा- हां हां घमाके की आवाज तो मैंने भी सुनी है।

□ □ □

डॉक्टर(मरीज से)- कहो, अब तबियत कैसी है ?

मरीज- अब कुछ आराम है, बुखार तो टूट गया बस टांग में दर्द है।

डॉक्टर- घबराओं मत टांग भी टूट जाएगी।

काकुरो पहेली - 4078

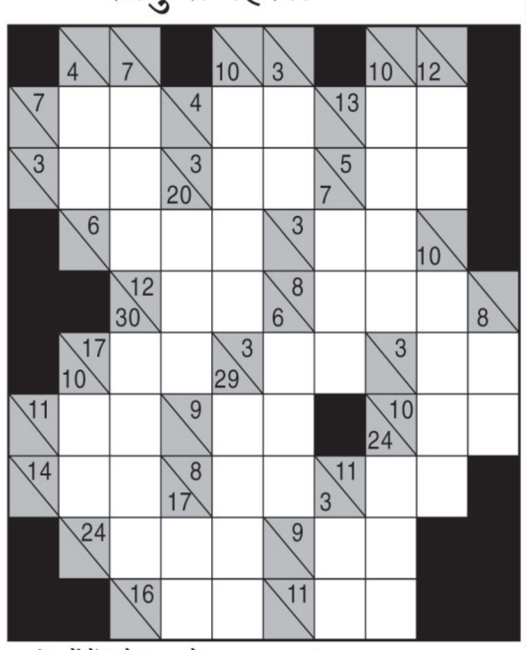

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

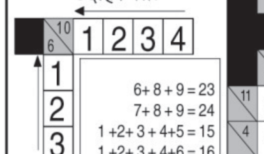

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4077 का हल

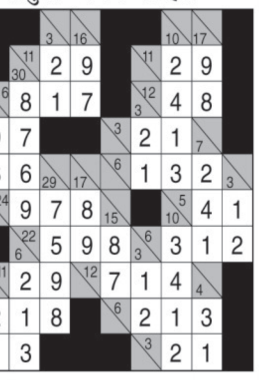

फिल्म वर्ग पहेली- 4078

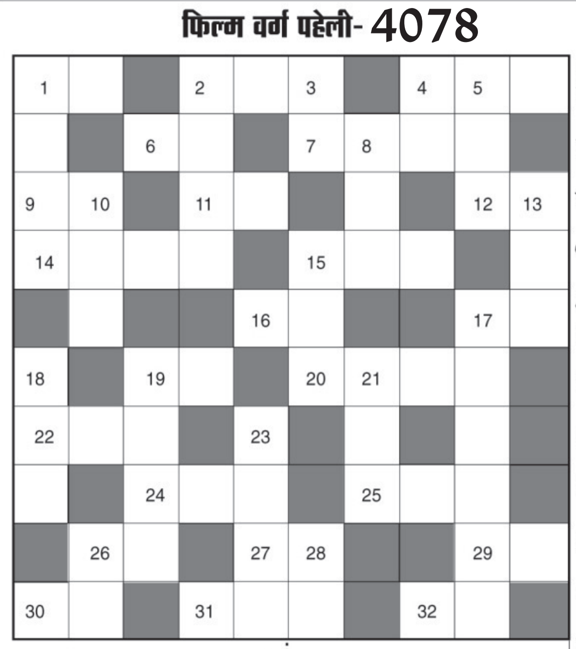

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4077

सूडोकु -4078

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4077 हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 4078

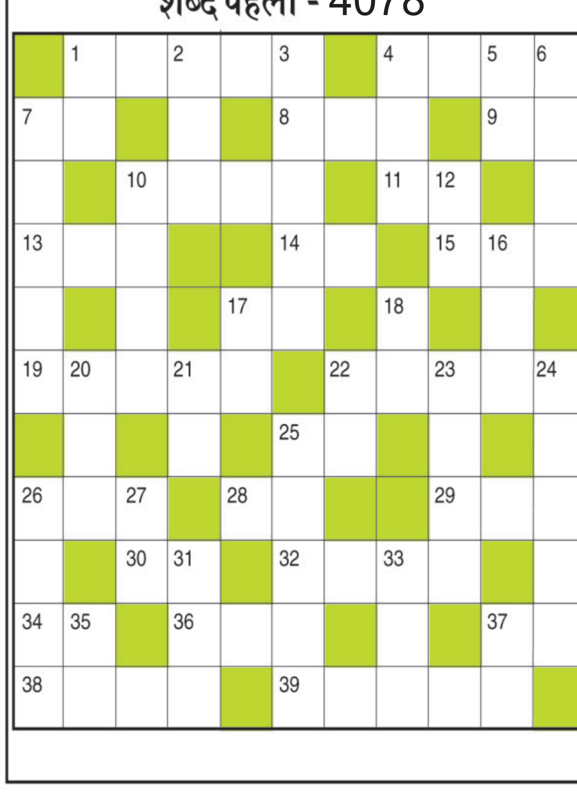

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली 4077 का हल

2.01 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में 'घोषित अपराधी' पी. अरोकियासामी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली/चेन्नई। केंद्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) ने बैंक धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में पिछले 15 से अधिक वर्षों से फरार चल रहे घोषित अपराधी पी. अरोकियासामी को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने यह मामला 21 जनवरी 2010 को मिली एक शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। आरोप था कि चेन्नई की कंपनी सन बायो मैन्योर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों ने तमिलनाडु के सलेम जिले में स्थित 'इंडियन बैंक' की वीरपांडी ब्रांच के साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की। आरोपितों ने वर्मी कल्चर और डेयरी फार्मिंग गतिविधियों के नाम पर बैंक से 201.63 लाख रुपये(करीब 2.01 करोड़ रुपये) का लोन लिया था। लोन लेने के लिए जो संपत्तियां गिरवी रखी गई थीं। आरोपित उनके असली मालिक नहीं थे। इस फर्जीवाड़े के जरिए बैंक को 2.01 करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचाया गया। गहन जांच के बाद सीबीआई ने इस मामले में कई आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट (आरोप पत्र) दायर की थी। इनमें सन बायो-मैन्योर प्राइवेट लिमिटेड, एस. शक्तिवेल, एस. विजयकुमारी, पी. अरोकियासामी (निजी व्यक्ति) और एस. बालासुब्रमण्यन (ब्रांच मैनेजर, इंडियन बैंक) शामिल हैं।

सनातन धर्म और वैदिक संस्कृति के समन्वय से ही विश्वगुरु बनेगा भारत : जगद्गुरु रामभद्राचार्य

लखनऊ। पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि सनातन धर्म और भारतीय वैदिक संस्कृति भारत की अक्षुण्ण धरोहर हैं, जिनमें मानव कल्याण, नैतिक मूल्यों और विश्वबंधुत्व की भावना निहित है। यह पीढ़ी को वैदिक परंपराओं और सनातन मूल्यों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। यही सांस्कृतिक सामंजस्य भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर करेगा। अखिल भारतीय संस्कृत परिषद लखनऊ के तत्वावधान में यहां परिषद सभागार में सनातन धर्म और भारतीय वैदिक संस्कृति का सामंजस्य विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान एवं जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज अभिनंदन समारोह में देशभर के विद्वानों, शिक्षाविदों, संस्कृत प्रेमियों और शोधार्थियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर रामभद्राचार्य महाराज ने अखिल भारतीय संस्कृत परिषद के विकास के लिए एक लाख रुपये का योगदान देने की घोषणा की। वहीं लखनऊ उत्तर से विधायक नीरज बोरा ने पुस्तकालय एवं अन्य विकास कार्यों के लिए पांच लाख रुपये देने की घोषणा की।रामभद्राचार्य ने कहा कि प्रकृति संरक्षण, सामाजिक समरसता और वैश्विक शांति का संदेश भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है। यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी तो मानव सभ्यता का अस्तित्व भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने भारतवर्ष और भक्ति की व्याख्या करते हुए कहा कि भारत के प्रति समर्पण ही सच्ची भक्ति और भारतीयता का आधार है।

चंद्रपुर के कैंसर अस्पताल पर साइबर हमला, डेटा लॉक, हैकर्स ने मांगी 75 लाख की फिरौती

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर शहर स्थित कैंसर केयर फाउंडेशन के कैंसर अस्पताल पर एक गंभीर साइबर हमले की घटना सामने आई है। हैकर्स ने अस्पताल के मुख्य सर्वर में घुसपैठ कर महत्वपूर्ण डेटा को लॉक कर दिया और उसे अनलॉक करने के बदले लगभग 75 लाख रुपये की फिरौती की मांग की है। रामनगर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। 01 जून की सुबह अस्पताल के आईटी विभाग को सर्वर में तकनीकी खराबी का पता चला। शुरुआती जांच के दौरान सर्वर पर रैनसमवेयर का एक धमकी भरा संदेश पाया गया। आगे की जांच में यह सामने आया कि अज्ञात हैकर्स ने अस्पताल की पूरी डिजिटल प्रणाली पर नियंत्रण कर लिया है। हैकर्स ने 1.23456 बिटकॉइन, जो वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार लगभग 75 लाख रुपये के बराबर है, की मांग की है। उन्होंने धमकी दी कि यह राशि मिलने के बाद ही डेटा अनलॉक करने की 'की' दी जाएगी, अन्यथा पूरा डेटा स्थायी रूप से नष्ट किया जा सकता है। इस साइबर हमले के कारण अस्पताल का हॉस्पिटल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम पूरी तरह ठप हो गया है। इससे मरीजों का मेडिकल इतिहास, उपचार संबंधी रिकॉर्ड और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हुए हैं, जिससे अस्पताल प्रबंधन के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

झामुमो ने बैजनाथ राम को बनाया राज्यसभा प्रत्याशी, चार नेताओं के नामांकन पत्र खरीदने से तेज हुई सियासी चर्चा

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने वरिष्ठ नेता बैजनाथ राम को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। पार्टी की इस घोषणा के साथ ही महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे और संभावित मतभेदों को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है। वहीं, चार नेताओं द्वारा नामांकन पत्र खरीदे जाने के बाद चुनावी समीकरणों को लेकर नई चर्चाओं ने भी जोर पकड़ लिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बैजनाथ राम के नाम की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद उन्हें राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है। झामुमो की ओर से उम्मीदवार के नाम की घोषणा के साथ ही यह संकेत भी मिला है कि महागठबंधन राज्यसभा चुनाव को लेकर एकजुट है। राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से यह चर्चा चल रही थी कि राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर मतभेद उभर सकते हैं। लेकिन कांग्रेस और झामुमो द्वारा एक-एक उम्मीदवार मैदान में उतारे जाने से गठबंधन की एकता का स्पष्ट संदेश गया है।

हरियाणा के आठ, चंडीगढ़ के दो विभागों के खिलाफ सीबीआई जांच तेज

छह जगह छापा, 661 करोड़ के कथित गबन पर लोकसेवकों पर कसा शिकंजा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन के विभिन्न विभागों के धन के कथित गबन से जुड़े 661 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चंडीगढ़, पंचकूला और दिल्ली-एनसीआर में छह स्थानों पर छापा मारा है। इस दौरान हरियाणा कैडर के वरिष्ठ लोकसेवकों, एक निजी कंपनी और उसके निदेशक से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई।सीबीआई के अनुसार, जांच में सामने आया है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू

फाइनेंस बैंक के माध्यम से सरकारी धन का कथित दुरुपयोग किया गया। हरियाणा के आठ विभागों और चंडीगढ़ के दो विभाग नगर निगम चंडीगढ़ और सीआरईएसटी चंडीगढ़ के खातों से धन की अनियमित निकासी और स्थानांतरण किया गया। एजेंसी का कहना है कि जांच के दौरान मिले साक्ष्यों से संकेत मिलता है कि कुछ लोकसेवकों ने बैंक अधिकारियों से मिलकर खातों के संचालन, धन हस्तांतरण और बाद में राशि के कथित दुरुपयोग में सहायता की। आरोप है कि इन अधिकारियों को इसके बदले अनुचित लाभ दिया गया। सीबीआई की जांच में नोएडा स्थित विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड की भूमिका भी सामने आई है। सीबीआई के अनुसार, अपराध से अर्जित धनराशि पहले कंपनी के खाते में पहुंचाई गई और बाद में उसके निदेशक के व्यक्तिगत खाते में स्थानांतरित की गई। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, संपत्ति संबंधी कागजात और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री जब्त की गई है। सीबीआई ने यह जांच हरियाणा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से एक मामला अपने हाथ में लेने तथा चंडीगढ़ आर्थिक अपराध थाना में दर्ज दो अन्य प्राथमिकी को अपने अधीन लेने के बाद शुरू की थी। सीबीआई आपराधिक साजिश, सरकारी धन के गबन और अन्य संबंधित अपराधों की जांच कर रही है। ब्यूरो ने बताया कि प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद पंचकूला स्थित सीबीआई अदालत में पहला आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। इसमें हरियाणा पॉवर जेनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड और हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के अधिकारियों की भूमिका का उल्लेख है।

कोंकण के दक्षिणी हिस्से में मानसून की दस्तक, जल्द पूरे महाराष्ट्र में पहुंचेगा

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्रवासियों का मानसून को लेकर इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। मानसून ने दक्षिण कोंकण के रास्ते महाराष्ट्र में प्रवेश कर लिया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मानसून की आगे की प्रगति के लिए मौसम की परिस्थितियां अनुकूल हैं और जल्द ही यह मुंबई सहित राज्य के अन्य हिस्सों में भी पहुंच सकता है। इससे भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ इलाकों में बारिश की तीव्रता बढ़ सकती है और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। मानसून के आगे पहुंचने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य समय से तीन दिन देरी से, यानी 4 जून को केरल पहुंचा था। इसके बाद यह तेजी से उत्तर दिशा की ओर बढ़ा और 5 जून को कर्नाटक, तमिलनाडु तथा बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों के कुछ और क्षेत्रों में आगे बढ़ गया है। इसी दौरान मानसून अरब सागर के कुछ हिस्सों और गोवा के कई क्षेत्रों तक भी पहुंच गया था, जिससे महाराष्ट्र में इसके जल्द प्रवेश की संभावना जताई जा रही थी।इसी क्रम में मानसून ने पूरे गोवा क्षेत्र को कवर करते हुए महाराष्ट्र के दक्षिण कोंकण में दस्तक दे दी है। पिछले कुछ सप्ताहों से राज्य के कई हिस्से, विशेषकर विदर्भ, भीषण गर्मी और लू जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे थे। बीच-बीच में हुई आंधी और बारिश से लोगों को कुछ राहत मिली, लेकिन सभी की निगाहें मानसून के आगमन पर टिकी थीं।

नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और बिक्री के दावे फर्जी, अफवाहों से सावधान रहें : एनटीए

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने सोशल मीडिया और विभिन्न मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित उन दावों को पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है, जिनमें नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा के प्रश्नपत्र के लीक होने, पहले से उपलब्ध होने या बिक्री किए जाने की बात कही जा रही है। एनटीए ने एक बयान में कहा कि इस प्रकार की अफवाहें संगठित नकल एवं ठगी गिरोहों द्वारा फैलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों और उनके अभिभावकों की चिंता का फायदा उठाकर उनसे पैसे ऐंठना है।

एजेंसी ने स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र लीक या बिक्री से जुड़े सभी दावे पूरी तरह मनगढ़ंत हैं।एनटीए के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा पूरी तरह बरकरार है तथा परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। एजेंसी ने बताया कि ऐसे भ्रामक संदेश फैलाने वाले चैनलों, सोशल मीडिया खातों और सामग्री की पहचान कर उन्हें संबंधित प्लेटफॉर्म तथा साइबर अपराध एजेंसियों को

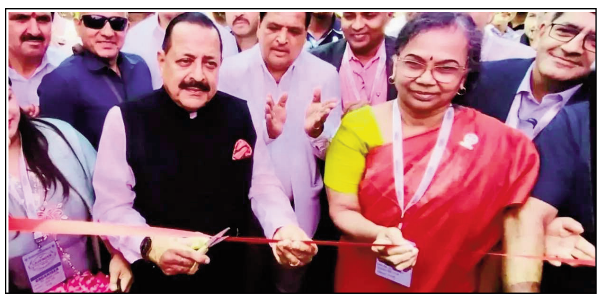

रिपोर्ट किया जा रहा है, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके। एनटीए ने यह भी कहा कि इस मामले में कानून-प्रवर्तन और साइबर अपराध अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जा रही है। फर्जी सामग्री तैयार करना, प्रसारित करना या उसे आगे बढ़ाना तथा छात्रों को ठगने का प्रयास करना गंभीर दंडनीय अपराध है, जिसके लिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी संदेश पर विश्वास न करें, किसी को पैसे न दें और न ही ऐसी सामग्री को आगे साझा करें। एनटीए ने कहा कि नीट (यूजी) 2026 से जुड़ी सभी आधिकारिक जानकारियों के लिए केवल एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट और सत्यापित माध्यमों पर ही भरोसा किया जाना चाहिए।

कैंसर की समय पर पहचान और त्वरित इलाज से बचाई जा सकती है जिंदगी : शिवराज सिंह

एजेंसी

विदिशा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की विशेष पहल पर मध्य प्रदेश के विदिशा स्थित अटल बिहारी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण एवं उपचार शिविर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि कैंसर की समय पर पहचान और त्वरित इलाज से अनेक लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि यह शिविर केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसेवा का महायज्ञ है, जिसमें विभिन्न संस्थाओं और विशेषज्ञों ने अपनी महत्वपूर्ण आहुति दी है। उन्होंने देश और विदेश में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए ख्यातिप्राप्त टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि विदिशा मेडिकल कॉलेज में कैंसर यूनिट के संचालन के लिए उनके सहयोग से क्षेत्र के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब कैंसर उपचार के लिए मरीजों को मुंबई जैसे दूरस्थ शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। विदिशा में ही जांच, परामर्श और उपचार की सुविधाएं विकसित होने से हजारों मरीजों और

उनके परिजनों को समय, धन और मानसिक परेशानी से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कैंसर से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थ कैंसर के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने किसानों से कृषि कार्यों में उर्वरकों एवं रसायनों का संतुलित और सीमित उपयोग करने का आग्रह करते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कैंसर रोगियों के बेहतर उपचार और सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि विदिशा मेडिकल कॉलेज में कैंसर के इलाज के लिए देश की प्रतिष्ठित संस्था टाटा मेमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से आवश्यक व्यवस्थाएं और उपचार संबंधी प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे।

चुनौतियों का संघ के साथ मिलकर मुकाबला करें देशवासी : स्वांत रंजन

एजेंसी

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन ने आज यहां देशवासियों से देश के सामने खड़ी चुनौतियों का मिलकर मुकाबला करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चार बड़ी चुनौतियों से मिलकर निपटना होगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद,अर्बन नक्सलवाद, मातांतरण तथा बाजारवाद समेत चार चुनौतियां देश के सामने मुंह बायें खड़ी है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए संघ के साथ पूरे समाज को मिलकर इन चुनौतियों का सामना करना होगा।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत द्वारा आयोजित प्रयागराज के गौहनिया स्थित वात्सल्य परिसर में आयोजित 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग सामान्य एवं प्रांत घोष वर्ग के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सौ वर्ष से संघ हिंदू समाज को सशक्त बनाने के लिए, उसकी शक्ति खड़ी करने के लिए प्रयास कर रहा है। इसके लिए उसे उपेक्षा और उपहास का भी सामना करना पड़ा। इन स्थितियों के बाद अब समाज में संघ की स्वीकार्यता बढ़ी है,लेकिन इस स्थिति से हम अभी भी संतुष्ट नहीं है। हमें अभी आगे और परिश्रम करना है। उन्होंने कहा कि भारत

प्राचीन राष्ट्र है और हिंदू राष्ट्र है। हिंदू समाज ने इसकी रक्षा के लिए पसीना भी बहाया है और खून भी। आर्यों के बाहर से यहां आकर बसने की थ्योरी पूरी तरह मनगढ़ंत है। यह एक सुनियोजित साजिश है। इससे देशवासियों को सावधान रहने की जरूरत है। संघ पंच परिवर्तन के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। सभी देशवासी संघ के साथ जुड़कर कार्य करें जिससे भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनाया जा सके। उन्होंने आग्रह किया कि जो जहां है वहीं से इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए अपना सहयोग दें। अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख ने कहा कि कार्यकर्ताओं का निर्माण करने के लिए देशभर में और 98 संघ शिक्षा वर्ग चल रहे हैं। इसका उद्देश्य है वर्ग में तैयार होकर के कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में संघ कार्य को आगे बढ़ाएं। उन्होंने संघ शिक्षा वर्ग के विषयों की भी विस्तार से जानकारी दी और कहा कि शारीरिक बौद्धिक कार्यक्रमों के द्वारा स्वयंसेवकों को एक प्रामाणिक कार्यकर्ता के रूप में निर्माण किया जाता है। पिछले 100 वर्षों से संघ राष्ट्र जागरण के महत्वपूर्ण कार्य में लगा है। संघ के समर्पित स्वयंसेवक इस कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र जागरण के इस महत्वपूर्ण कार्य में पूरे समाज को आगे बढ़कर अपना सहयोग करना होगा तभी लक्ष्य की पूर्ति हो सकेगी। देश को परम वैभव पर ले जाना है तो सभी देशवासियों को मिलकर राष्ट्र निर्माण के इस अनुष्ठान में तन–मन–धन से लगना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के अध्यक्ष डॉ.जगदीश गुलाटी ने कहा कि संघ पूरे समाज को जोड़ने के लिए काम कर रहा है। सभी देशवासियों को संघ से जुड़ना चाहिए। सामाजिक समरसता के लिए संघ द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय है। प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि आवश्यकता पड़ने पर देश सेवा के लिए हमेशा तैयार रहें। घोष के प्रशिक्षणार्थियों ने भारतीय रागों पर आधारित रचनाओं का वादन करते हुए समारोह मे आकर्षक प्रदर्शन किया।

फिरोजपुर सड़क हादसे पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के फिरोजपुर जिले में हुए सड़क हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया। तीनों नेताओं ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि फिरोजपुर, पंजाब में सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि फिरोजपुर जिले में हुई इस दुखद सड़क दुर्घटना की खबर से वह अत्यंत

व्यथित हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि फिरोजपुर जिले में हुए हादसे की खबर से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। वहीं, हादसे में घायल हुए लोगों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

सच्ची साझेदारी के लिए सिर्फ समझौते ही नहीं, अपनत्व और विश्वास भी महत्वपूर्णः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसी भी सच्ची साझेदारी की बुनियाद अपनत्व और विश्वास पर निर्भर करती है। सिर्फ साझेदारी पर ही समझौते नहीं होते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में आयोजित इंडिया-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फोरम 2026 में लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई राजदूतों से वन-टू-वन चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान राजदूतों को प्रदेश में निवेश के सुअवसरों की जानकारी दी।उन्होंने कहा कि अब मध्य प्रदेश में निर्मित फार्मास्युटिकल, इंजीनियरिंग, आई.टी., टेक्सटाईल एवं खाद्य उत्पादों के व्यवसाय एवं कृषि में दोनों पक्षों की ओर से नवीन अवसरों को तलाशा जा सकता हैं। साथ ही रिन्युएबल एनर्जी एवं रिन्युएबल एनर्जी उत्पादों के निर्माण में भी मध्य प्रदेश बड़े स्तर की परियोजनाएं संचालित कर रहा है। वहीं मध्य प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन नीति भारत की सबसे अच्छी नीतियों में शामिल है> यदि लेटिन अमेरिका से यहाँ पर निवेश किया जाता है तो उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर भारत के घरेलू बाजार एवं अन्य देशों में निर्यात के अवसर देखे जा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत

के मध्य में स्थित होने के कारण मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति भारतीय बाजार में व्यवसाय करने हेतु अत्यन्त उपयुक्त है। इसके अलावा मध्य प्रदेश टूरिज्म की दृष्टि से भी भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है। प्रदेश में 24 सेंचुरीज, 12 नेशनल पार्क, 7 टाइगर रिज़र्व एवं 14 यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज साईट है। वर्तमान में केन्द्र एवं राज्य सरकार मध्य प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु लगातार निवेश कर रही है। मध्य प्रदेश में कुशल मैन पॉवर की उपलब्धता भी प्रचुर मात्रा में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उरुग्वे, क्यूबा, पनामा, मेक्सिको, सूरीनाम, अर्जेंटीना, ब्राजील,पेरू के राजदूतों को मप्र में निवेश करने का सबसे अच्छा समय बताया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजनायिकों से कहा कि जनवरी 2027 में प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक समिट जी.आई.एस.-2027 एवं महाकाल की नगरी उज्जैन में सिंहस्थ-2028 आयोजित हो रहा है, जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से भी चर्चा की और उनसे मध्यप्रदेश के विकास में सहभागी करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने इंदौर और पीथमपुर का विशेष ज़िक्र करते हुए कहा कि ये दोनों ही क्षेत्र आज फार्मास्यूटिकल्स का ग्लोबल हब बन चुके हैं। यहां निर्मित दवाएं ब्राजील, पेरू और चिली जैसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच रही हैं, जिससे प्रदेश की औद्योगिक क्षमता और गुणवत्ता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। ब्राजील की औद्योगिक जरूरतों के लिए मध्य प्रदेश सबसे भरोसेमंद और सप्लाई चेन पार्टनर की भूमिका निभा सकता है। पेरू के साथ इंजीनियरिंग मशीनों की सप्लाई के लिए मध्य प्रदेश एक भरोसेमंद पार्टनर बन सकता है। हम क्यूबा के विश्व प्रसिद्ध बायोटेक एवं फार्मा अनुसंधान के साथ मिलकर चिकित्सा क्षेत्र में नए नवाचार करने के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। ब्राज़ील, मेक्सिको, चिली, डोमिनिकन रिपब्लिक, अर्जेंटीना, पेरू और कोलंबिया के साथ मध्य प्रदेश का निरंतर बढ़ता व्यापार हमारे अटूट भरोसे का प्रमाण है।

नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और बिक्री के दावे फर्जी, अफवाहों से सावधान रहें : एनटीए

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने सोशल मीडिया और विभिन्न मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित उन दावों को पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है, जिनमें नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा के प्रश्नपत्र के लीक होने, पहले से उपलब्ध होने या बिक्री किए जाने की बात कही जा रही है। एनटीए ने एक बयान में कहा कि इस प्रकार की अफवाहें संगठित नकल एवं ठगी गिरोहों द्वारा फैलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों और उनके अभिभावकों की चिंता का फायदा उठाकर उनसे पैसे ऐंठना है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र लीक या बिक्री से जुड़े सभी दावे पूरी तरह मनगढ़ंत हैं।

एनटीए के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा पूरी तरह बरकरार है तथा परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।एजेंसी ने बताया कि ऐसे भ्रामक संदेश फैलाने वाले चैनलों, सोशल मीडिया खातों और सामग्री की पहचान कर उन्हें संबंधित प्लेटफॉर्म तथा साइबर अपराध एजेंसियों को रिपोर्ट किया जा रहा है, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके। एनटीए ने यह भी कहा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

कि इस मामले में कानून-प्रवर्तन और साइबर अपराध अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जा रही है। फर्जी सामग्री तैयार करना, प्रसारित करना या उसे आगे बढ़ाना तथा छात्रों को ठगने का प्रयास करना गंभीर दंडनीय अपराध है, जिसके लिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी संदेश पर विश्वास न करें, किसी को पैसे न दें और न ही ऐसी सामग्री को आगे साझा करें।

एनटीए ने कहा कि नीट (यूजी) 2026 से जुड़ी सभी आधिकारिक जानकारियों के लिए केवल एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट और सत्यापित माध्यमों पर ही भरोसा किया जाना चाहिए। किसी भी महत्वपूर्ण सूचना की घोषणा केवल आधिकारिक चैनलों के माध्यम से ही की जाएगी।

एनटीए ने परीक्षा में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों से आत्मविश्वास के साथ अपनी तैयारी जारी रखने का आग्रह करते हुए कहा कि उनकी मेहनत ही सबसे महत्वपूर्ण है और एजेंसी निष्पक्ष, सुरक्षित तथा विश्वसनीय परीक्षा आयोजित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए नीट (यूजी) 2026 इस साल 3 मई को हुई थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बीच एनटीए ने 12 मई को इसे कैंसिल कर दिया था। सीबीआई अभी इस मामले की जांच कर रही है। ऐसे में नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को आयोजित की जानी है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक ऑफलाइन (पेन और पेपर मोड) में होगी।

एनसीआर में वायु प्रदूषण पर सख्ती, 19 दिन में 245 निरीक्षण हुए, उल्लंघन के 87 मामले पाए गए

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र(एनसीआर) में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रवर्तन कार्रवाई तेज करते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की प्रवर्तन कार्यबल (ईटीएफ) ने विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया है। आयोग की 132वीं बैठक में 11 मई से 29 मई 2026 के बीच की गई कार्रवाइयों और अनुपालन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि 19 दिन की अवधि में आयोग की फ्लाइंग स्क्वॉड टीमों ने कुल 245 निरीक्षण किए। सीएक्यूएम ने एक विज्ञप्ति में बताया कि 19 दिन में 245 निरीक्षण किए। इनमें निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) स्थलों के 31, औद्योगिक इकाइयों के 74 और डीजल जनरेटर (डीजी) सेटों से संबंधित 140 निरीक्षण शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान कुल 87 उल्लंघन पाए गए, जिनमें सीएंडडी स्थलों के 21, औद्योगिक क्षेत्र के 25 और डीजी सेटों से जुड़े 41 मामले शामिल हैं। उल्लंघनों के आधार पर 11 परियोजनाओं एवं इकाइयों को बंद करने, 33 डीजी सेट सील करने, 19 मामलों में अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करने तथा 13 मामलों में पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने का प्रस्ताव किया गया है। बैठक में पिछली यानी 131वीं ईटीएफ बैठक के बाद की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। आयोग ने पाया कि औद्योगिक और सीएंडडी क्षेत्रों से जुड़े सभी मामलों में आवश्यक कार्रवाई पूरी कर ली गई है। आयोग ने बताया कि अनुपालन सत्यापन के बाद 18 इकाइयों और परियोजनाओं को दोबारा संचालन की अनुमति दी गई, जिनमें 13 औद्योगिक इकाइयां और 5 सीएंडडी परियोजनाएं शामिल हैं। सड़क धूल नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा करते हुए आयोग ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा किए गए निरीक्षणों का भी संज्ञान लिया। 9 क्षेत्रों के निरीक्षण में 37 उल्लंघन पाए गए, जिसके बाद बार-बार नियमों के उल्लंघन पर जीएनआईडीए को नोटिस जारी किया गया। इसी तरह गाजियाबाद नगर निगम द्वारा निरीक्षण किए गए 4 क्षेत्रों में 24 उल्लंघन मिलने पर निगम को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। आयोग ने फ्लाइंग स्क्वॉड टीमों को निर्देश दिया कि वे निरीक्षण रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करें। उसके साथ फोटो एवं वीडियो साक्ष्य भी संलग्न करें। साथ ही औद्योगिक इकाइयों, डीजी सेटों और निर्माण स्थलों पर निर्धारित मानकों के अनुपालन की सख्ती से निगरानी करने के निर्देश दिए गए।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंदब वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारुपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और - इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, ÷वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

–बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

– राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं – जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर–बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर–बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ–साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर–बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है।

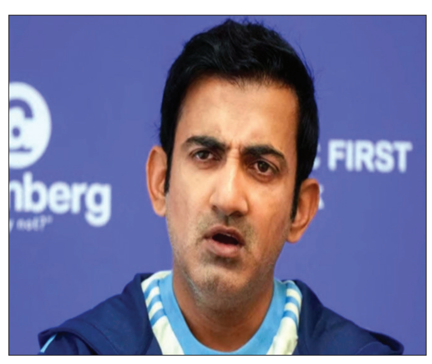

उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, 'श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है1 शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्क्कमें पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।'

साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइटर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाड़ू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

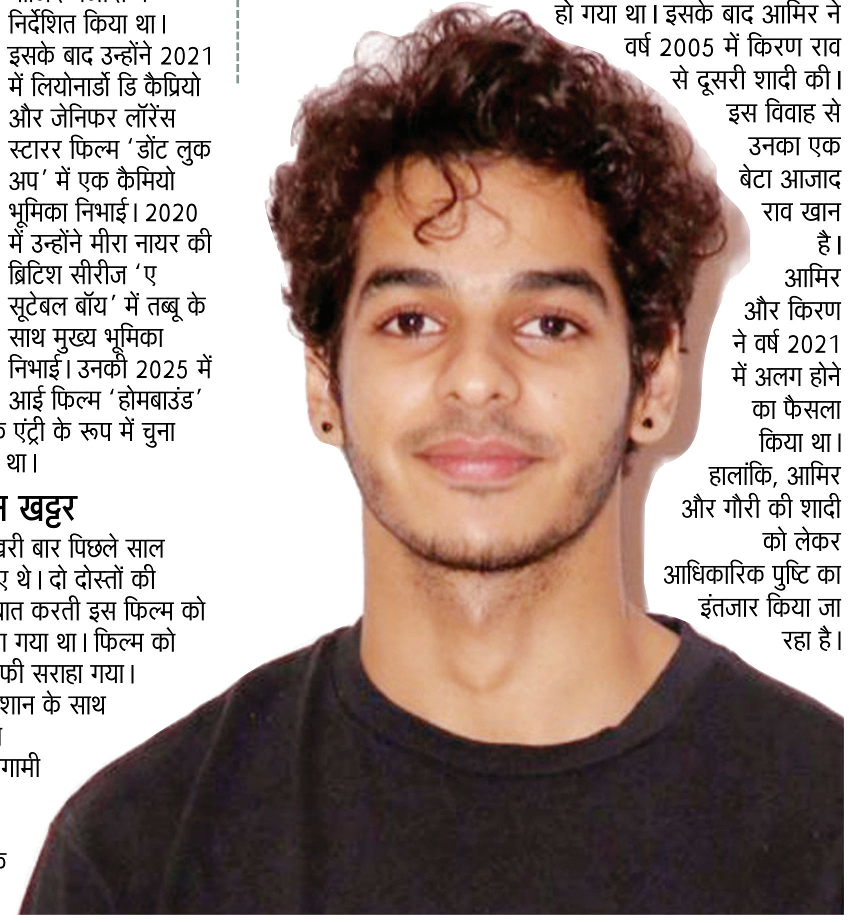

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं।
बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मेन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

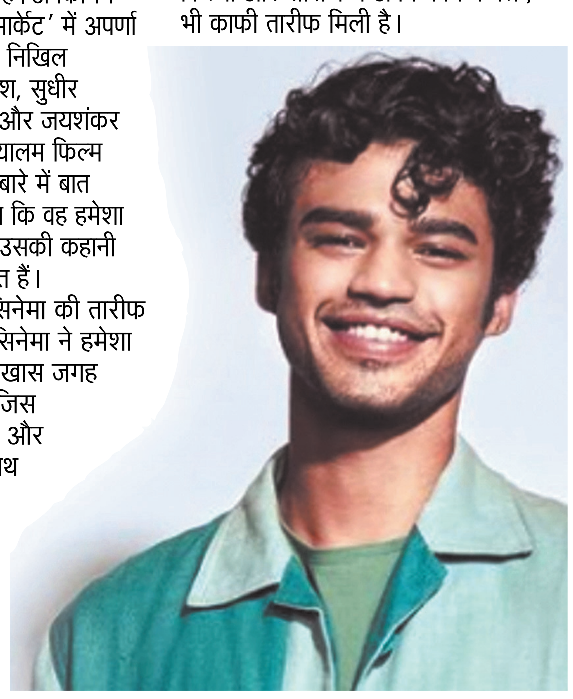

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती।
12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने- रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।